वर्ष : 16 ❖ अंक : 178 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

# अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 07 फरवरी 2022

समाजवादी पार्टी है नकली समाजवादी : पीएम मोदी 8

तीन अंकों तक नहीं पहुंच पाएंगे सपा, बसपा और कांग्रेस : दिनेश शर्मा 3

# एसकेएम सरकार ने कर लिया है प्रजातंत्र का अपहरण : चामलिंग

## नाइट गार्ड और ओएफओजे कर्मचारियों के भरोसे चल रहे कुछ स्कूल

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 06 फरवरी । सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री तथा एसडीएफ अध्यक्ष पवन चामलिंग ने अस्थायी शिक्षकों की सेवाएं बंद होने के कारण सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी पर रोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा स्कूलों की हालात इतनी खराब है कि कुछ सरकारी स्कूलों में नाइट गार्ड और ओएफओजे के कर्मचारी क्लास ले रहे हैं। एसडीएफ सरकार ने नियमित अंतरवार्ता के माध्यम से 9000 से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति की लेकिन एसकेएम सरकार एक अंतरवार्ता के परिणामों की घोषणा नहीं कर पाई है। एसकेएम की नई नीति मेधावी उम्मीदवारों के लिए उचित नहीं है क्योंकि उन्हें स्थायीकरण के लिए 8 साल इंतजार करना पड़ता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने शिक्षकों की कमी से जूझ रहे छात्रों और उन शिक्षकों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की है। उन्होंने अपनी नौकरी खो दी है और अंतरवार्ता के परिणाम के लिए इतने लंबे समय तक इंतजार कर रहे हैं।

साप्ताहिक प्रश्नोत्तर के तहत उन्होंने कहा कि एसडीएफ सरकार के दौरान, हमने शिक्षकों के लिए नियमित चयन परीक्षा और अंतरवार्ता आयोजित किए। इसके तहत काम करने वाले सैकड़ों शिक्षकों को स्थायी किया गया। आवश्यक योग्यता वाला कोई भी व्यक्ति परीक्षा के माध्यम से आवेदन कर सकता है। हमने विभाग की तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सालाना शिक्षकों की नियुक्ति की और बाद में, तीन साल की सेवा पूरी करने वाले शिक्षकों को स्थायी किया था। 4000 से अधिक एडहॉक शिक्षकों की नौकरी स्थायी कर दी गई। हमारे कार्यकाल में किसी ने भी अपनी नौकरी नहीं खोई लेकिन वे आज उन्हें खो रहे हैं। हमारे शासन के दौरान 95 प्रतिशत से अधिक कॉलेज शिक्षक (सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर) नियुक्त किए गए थे।

एसकेएम सरकार द्वारा तैयार की गई वर्तमान नीति के बारे में बोलते हुए पवन चामलिंग ने कहा है कि सरकार ने नए शिक्षकों के लिए आठ कीमती साल बर्बाद करना अनिवार्य कर दिया है। क्या एचआरडीडी को नियमित शिक्षकों के लिए कम से कम वार्षिक अंतरवार्ता आयोजित नहीं करना चाहिए? क्या सिक्किम में आठ साल तक स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होगी? कितनी क्रूर और मूर्खतापूर्ण नीति है! स्कूलों और मेधावी शिक्षक उम्मीदवारों के साथ कैसा अन्याय।

उन्होंने आगे उल्लेख किया कि एसडीएफ सरकार ने शिक्षकों के वेतनमान को बढ़ाकर उन्हें भारत में सबसे अधिक वेतन पाने वाला शिक्षक बना दिया। प्राथमिक शिक्षक का वेतनमान अन्य विभागों में समकक्ष एलडीसी पद से अधिक है। स्नातक शिक्षक, पीजीटी, एचएम और प्रधानाचार्य का वेतन अन्य विभागों में उनके समकक्ष पदों से अधिक है। सिक्किम को सिक्किम के समग्र विकास में उनके विशाल योगदान को कभी नहीं भूलना चाहिए। हमारी प्रगति काफी हद तक उनकी कड़ी मेहनत के कारण है। मैं इस अवसर पर सिक्किम की साक्षरता दर को भारत के उच्चतम 96.75 प्रतिशत पर ले जाने के लिए उन्हें बधाई और धन्यवाद देता हूं। सिक्किम भी 2016 में शिक्षा के मामले में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला राज्य बन गया था।

उन्होंने आगे उल्लेख किया है कि जब अस्थायी शिक्षकों ने अपना हक मांगा तो उन्हें भगा दिया गया। उनके खिलाफ शिक्षकों के अन्य समूहों में हड़कंप मच गया। शिक्षक के बिना छात्र संघर्ष कर रहे हैं। शिक्षकों का स्थान नाइट गार्ड और ओएफओजे के कर्मचारी भर रहे हैं। एचआरडीडी में शिक्षकों का सामना करने की हिम्मत नहीं है। सैकड़ों झूठ बोलने के बाद, वे विभाग की रक्षा के लिए एसकेएम पार्टी के कार्यकर्ताओं को भेजते हैं। उन्होंने उल्लेख किया है कि सरकार को शर्म आनी चाहिए। एसकेएम सरकार के प्रमुख पर शर्म आती है। यदि कोई नैतिक भावना बची है, तो मानव संसाधन विकास मंत्री और सचिव को इस्तीफा दे देना चाहिए और अधिक ईमानदार और कुशल लोगों को स्थिति को संभालने के लिए लगाना चाहिए।

पवन चामलिंग ने आगे उल्लेख किया है कि मुझे उम्मीद थी कि एसकेएम सरकार मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना 2009 जैसी हमारी अभिनव योजनाओं से सीख लेगी, जिसके तहत सरकारी स्कूल के लगभग 1000 छात्रों को देश के प्रसिद्ध स्कूलों में पढ़ने का मौका मिला। गरीब सिक्किमी माता-पिता के बच्चे अब देश के विशेषाधिकार प्राप्त परिवारों के बच्चों के साथ पढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री नि:शुल्क छात्रवृत्ति योजना 2011 के तहत सिक्किम के बच्चे विश्व के शीर्ष 20 विश्वविद्यालयों में नि:शुल्क अध्ययन कर पाए हैं। सिक्किम के छात्रों को लाभ पहुंचाने के लिए सॉफ्ट एजुकेशन लोन 2003, व्यापक शिक्षा ऋण 2007 और यूपीएससी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग शुरू की। लेकिन एसकेएम सरकार के पास इन योजनाओं को जारी रखने के लिए दूरदृष्टि की कमी है, ऐसी नई योजनाओं को शुरू करने की तो बात ही छोड़िए।

उन्होंने आगे उल्लेख किया है कि अब हम जानते हैं कि एसकेएम सरकार लैपटॉप की जगह टीवी क्यों बांट रही है। सरकार जानती थी कि वे सभी रिक्त पदों को भरने के लिए शिक्षक नहीं भेज पाएंगे। लेकिन छात्र अब टीवी देखकर अपना मनोरंजन कर सकते हैं। सरकार जोरथांग सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक लैब अटेंडेंट को एईओ में पदोन्नत किए जाने जैसे अजीबोगरीब नियुक्ति करने में व्यस्त है। गृह विभाग में एक डॉक्टर को नौकरशाह बनाया गया है। अब हम

जल्द ही स्कूल के चपरासी को एक चिकित्सा अधिकारी, एक एलडीसी को एक पुलिस स्टेशन में एक एचएसओ बनने और शिक्षकों को एक इंजीनियर की जिम्मेदारी देते हुए देखेंगे। सिक्किम इन नाटकों को चुपचाप देख रहा है क्योंकि सरकार ने लोकतंत्र का अपहरण कर लिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री चामलिंग ने कहा है कि मेरा दिल उन सभी स्कूली बच्चों के लिए है जो इस भयानक कोविड महामारी और शिक्षक की कमी से गुजर रहे हैं। मैं उन सैकड़ों युवा सिक्किमियों के बारे में भी सोच रहा हूं, जिन्हें तदर्थ शिक्षकों की नौकरी से हटा दिया गया है। आपका नुकसान हमारा नुकसान है। हम अपने बच्चों को न्याय दिलाने और उनका भविष्य सुरक्षित करने की पूरी कोशिश करेंगे।

# लता मंगेशकर के निधन पर सीएम ने प्रकट किया शोक

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 06 फरवरी । राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने प्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर के निधन पर दु:ख व्यक्त किया है। लता मंगेशकर का निधन 92 साल की उम्र में हो गया।

मुख्यमंत्री गोले ने अपने शोक संदेश में उल्लेख किया है कि गायिका लता मंगेशकर संगीतकारों के परिवार से ताल्लुक रखती थी और पंडित दीनानाथ मंगेशकर और शेवंती मंगेशकर की सबसे बड़ी बेटी थीं। लता के पिता एक प्रसिद्ध मराठी संगीतकार, थिएटर आर्टिस्ट और एक हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार थे जो जीवन भर उनके लिए हमेशा प्रेरणा के स्रोत रहे।

उन्होंने उल्लेख किया है कि भारतीय संगीत में उनके योगदान पर उन्हें पद्म विभूषण, पद्म भूषण, भारत रत्न, दादा साहब फाल्के पुरस्कार और अन्य कई पुरस्कार प्रदान किए गए। उनके फ्रांस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान लीजन ऑफ ऑनर से भी नवाजा जा चुका है। लता मंगेशकर ने 36 से अधिक

भारतीय और विदेशी भाषाओं में कई मधुर उपक्रमों के सहित कई देशभक्ति गीतों को अपनी आवाज दी है।

मुख्यमंत्री ने आगे उल्लेख किया है कि लता मंगेशकर ने बॉलीवुड फिल्मों में हमारे एक लेजेंड डेनी डेन्जोंग्पा के साथ भी अपनी आवाज साझा की है। महान गायिका लता मंगेशकर को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका निधन हमारे राष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जो एक शून्य छोड़ गया है। जिसे कभी भरा नहीं जा सकता। भारत की कोकिला और एक महान गायिका अब हमारे बीच नहीं हैं। परन्तु वह अपने गीतों और मधुर वाणी के द्वारा सदा जीवित रहेंगी।

# राज्य में कोविड के 82 नए मामले, एक और की मौत

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 06 फरवरी । सिक्किम ने शनिवार को 82 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए, जो पिछले दिन की गिनती से 28 कम हैं। इसके साथ ही राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या 38,607 तक पहुंच गया है। यह जानकारी स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन में दी गई है।

राज्य में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर 434 हो गई क्योंकि पिछले 24 घंटों में एक और व्यक्ति ने इस बीमारी के कारण दम तोड़ दिया। नए मामलों में से, पूर्वी सिक्किम जिले में 43, उसके बाद दक्षिण सिक्किम में 20 और पश्चिम सिक्किम में 19 मामले दर्ज किए गए।

हिमालयी राज्य में वर्तमान में कोविड के 645 सक्रिय मामले हैं, जबकि 36,810 लोग बीमारी से उबर चुके हैं। कुल मिलाकर 718 कोरोना वायरस मरीज दूसरे राज्यों में चले गए हैं। सिक्किम का पॉजिटिविटी रेट 8.5 फीसदी है, जबकि रिकवरी रेट 97.2 फीसदी है। राज्य ने अब तक कोविड-19 के लिए 3,14,782 नमूना परीक्षण किए हैं, जिसमें पिछले 24 घंटों में 963 नमूने शामिल हैं।

# राज्यपाल ने लता मंगेशकर के निधन पर जताया शोक

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 06 फरवरी । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के निधन पर गहरा शोक जताते हुए कहा है कि हमने एक महान कलाकार को खो दिया है, उनका जाना हमारे संगीत क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है।

देश उनके अतुलनीय योगदान को कभी नहीं भूल पाएगा। मैं ईश्वर से उनके आत्मा की शांति की कामना करता हूं।

# खिली धूप, ठंड से मिली कुछ राहत

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 06 फरवरी । लगातार बारिश के साथ ही भारी बर्फबारी से रविवार को कुछ निजात मिला है और कई दिनों के बाद आज राज्य में सूर्य की रौशनी दिखी। लंबे समय के बाद खुलकर लोगों ने धूप का आनंद उठाया। फरवरी के पहले शनिवार को राजधानी गंगटोक का न्यूनतम तापमान पिछले 14 साल में सबसे कम रिकॉर्ड किया गया था जो आज रविवार को 1.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा था। लेकिन दिन भर सूरज की रोशनी ने लोगों को ठंड से कुछ राहत दी। करीब एक सप्ताह के बाद राजधानी में आज धूप दिखी। धूप का लुत्फ उठाने के लिए राजधानी के एमजी मार्ग पर काफी संख्या में लोग दिखे।

दूसरी ओर गंगटोक और इसके आसपास के इलाकों में धूप लुत्फ उठाने के लिए कोविड प्रतिबंध की अनदेखा करते हुए पर्यटकीय गन्तव्यों पर लोगों की जमघट देखी गई। दिल्ली और मुंबई से सिक्किम घूमने आए पर्यटक यहां के टाशी व्यू प्वाइंट से हिमालय के दृष्यों का अवलोकन करते देखे गए।

पर्यटक सिक्किम के सौंदर्य की खुल कर प्रशंसा कर रहे थे। इस बार पर्यटकों को यहां की ठंड और आज की धूप दोनों का अनुभव हुआ। उल्लेखनीय है कि वसंत पंचमी से सिक्किमी किसान मक्का आदि की खेती शुरू करते हैं। धूप खिलने से किसानों में नया उमंग है।

# विपरीत मौसम में भी सड़क सुचारू रखने को डटे बीआरओ के कर्मचारी

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 06 फरवरी । पिछले कुछ दिनों से भारी हिमपात के बाद सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने उत्तर और पूर्व जिले में सड़कों को साफ करने के लिए भारी मशीनरी और जनशक्ति जुटाई है। राज्य में पिछले दस दिनों में भारी बर्फबारी देखी गई है, जिससे सामाजिक-आर्थिक गतिविधियां बाधित हुई हैं। सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए यह एक चुनौती बन गई है।

बीआरओ के कर्मचारी दृढ़ संकल्प के साथ सड़कों को खोलने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। यह जानकारी बीआरओ के द्वारा शनिवार को एक प्रेस बयान में दी गई है।

विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया है कि लाचुंग और लाचेन में बीआरओ के जवान दिन-रात सड़कों पर तैनात रहते हैं, क्योंकि दोनों सीमावर्ती इलाकों में असाधारण रूप से भारी बर्फबारी हुई है। बीआरओ कर्मियों और स्थानीय कैजुअल पेड लेबर (सीपीएल) वाले कार्यबल ने मिलकर सुनिश्चित किया है कि कोई भी सड़क चार से छह घंटे से अधिक समय तक बंद न रहे। सब-जीरो तापमान में बर्फीली हवाओं के साथ काम कर रहे हैं।

उल्लेख किया गया है कि तकनीशियनों की एक प्रतिबद्ध टीम ने भारी बर्फबारी के दौरान इन-सीटू उपकरणों को संभाला और मरम्मत की है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सड़क मार्ग हर कीमत पर खुली रहे। बीआरओ ने

उत्तरी सिक्किम में तैनाती के लिए श्रीनगर से एयरलिफ्ट किए जा रहे एक स्नो कटर के अलावा अतिरिक्त बर्फ हल की खरीद और शामिल करने का प्रयास किया है।

इसी तरह, नाथू ला के राष्ट्रीय राजमार्ग और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जुलुक को भी अथक बीआरओ फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं द्वारा खुला रखा गया है। इसके अलावा, तमज़े और कुपुप सेक्टरों की सड़कों पर भी बीआरओ कर्मयोगी दिन-रात काम कर रहे हैं ताकि संचार की लाइनें खुली रहें।

विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया है कि बीआरओ ने इस भारी हिमपात के दौरान मनुष्य और मशीन का तालमेल और अपने कर्तव्य के प्रति एक अटूट प्रतिबद्धता और समर्पण प्रदर्शित किया है। कई बर्फ हटाने के कार्यों में फंसे हुए स्थानीय लोगों और पर्यटकों को भी बीआरओ कर्मियों द्वारा बचाने के साथ साथ सहायता प्रदान की गई है।

# वेदों के ज्ञान का मुकाबला आज तक कोई भी नहीं कर सका : राज्यपाल

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 06 फरवरी । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर पूर्व सिक्किम मारताम रुम्तेक निर्वाचन क्षेत्र के बेन फेगोंग 41 जीपीयूके जिंगला वार्ड में आर्य समाज द्वारा आयोजित हवन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में क्षेत्र विधायक सोनम वेंचुंग्पा, सरकारी उच्च पदाधिकारी, पंचायत अध्यक्ष, ग्राम पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, अधिकारी, आर्य समाज के सदस्य, ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र विधायक वेंचुंग्पा ने अपने संबोधन में बताया कि आर्य समाज के संस्थापक महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती ने वेदों का ज्ञान देकर हमारे समाज के लोगों की विचारधारा को बदला है, वे एक बहुत अच्छे समाज

सुधारक थे। हमें उनके कर्मों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

वहीं राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में बताया कि आर्य समाज के कार्यों की बात की जाए तो यह वास्तव में ईश्वर प्रणाली संस्था है, इसके चार वेद हैं, जो ईश्वर प्रदत्त हैं, यह सार्वभौमिक एवं समस्त मानव के लिए है। इसमें ज्ञान, विज्ञान है। वेदों के ज्ञान का मुक़ाबला आज तक कोई भी नहीं कर सका है। यह सबसे प्राचीन एवं वैज्ञानिक धर्म है जो सत्य पर आधारित है। महर्षि दयानंद की पुस्तक सत्यार्थ प्रकाश सत्य को प्रमाणित करती है, यहां तर्क के आधार पर सत्य को खोजा जाता है, ईश्वर सत्य और एक है, इस सत्य को उजागर करती है। आगे उन्होंने गंगटोक में आर्य-भवन बनने की भी घोषणा करते हुए बताया कि यहां के योग्य और ज़रूरतमंद विद्यार्थी गुरुकुल की शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे। इसका मुख्य केंद्र भारत की राजधानी दिल्ली में स्थापित होगा।

अंत में राज्यपालय ने क्षेत्र विधायक, सेल्फ़ हेल्प ग्रुप एवं आर्य समाजी सदस्यों में नेपाली में लिखित पुस्तक का वितरण कर सेल्फ़ हेल्प ग्रुप को प्रोत्साहन राशि प्रदान की।

# कहां गई सीएम की सीबीआई पर बड़ी घोषणा : के.बी. राई

**अनुगामिनी का.सं.**

गंगटोक, 06 फरवरी । सिक्किम रिपब्लिकन पार्टी (एसआरपी) के अध्यक्ष केबी राई ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री पीएस गोले ने 4 फरवरी को अपनी पूर्व-घोषित सीबीआई विषय में वार्ता न करके पूरे सिक्किम को निराश किया है।

उल्लेख किया जाता है कि मुख्यमंत्री पीएस गोले ने एसकेएम पार्टी के 10वें स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान 4 फरवरी को सीबीआई को लेकर बड़ी घोषणा करने का वादा किया था। उन्होंने जनता के सामने पिछली एसडीएफ सरकार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार को उजागर करने का जोरदार दावा किया था। पूरा सिक्किम चार फरवरी को सीबीआई की घोषणा और भ्रष्टाचार के खुलासे का इंतजार कर रहा था।

केबी राई ने कहा कि 4 फरवरी को कुछ नहीं हुआ जो लोगों के लिए एक बड़ा विश्वासघात था। मुख्यमंत्री की ओर से अपने वादे से मुकरना गैर जिम्मेदाराना था। उनका कहना है कि जब एसकेएम अपना स्थापना दिवस राज्य स्तरीय तरीके से लोगों के सामने मनाएगा तो वह सीबीआई मामले पर बात करेंगे। लेकिन जब उन्होंने एसकेएम मुख्यालय में स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया तो उन्हें सीबीआई पर बोलने से किसने रोका था।

केबी राई ने आगे कहा कि अगर ऐसा होता है तो सीबीआई जांच पिछले और वर्तमान सरकार दोनों पर होनी चाहिए। सिक्किम के लोग चाहते हैं कि भ्रष्टाचार की जांच वर्तमान और पिछली दोनों सरकारों के खिलाफ हो।

उन्होंने यह भी कहा कि गोले कभी भी सीबीआई को सिक्किम में नहीं लाएंगे। विपक्ष के तौर पर गोले सिक्किम में सीबीआई जांच की मांग करते थे और सरकार बनाने के बाद सीबीआई लाने का वादा करते हैं लेकिन नहीं ला रहे हैं।

उन्होंने दावे के साथ कहा कि मैं कहता हूं कि वह सीबीआई नहीं ला सकते हैं और केवल झूठ की राजनीति कर रहे हैं।

# कांग्रेस ने किया राम मंदिर को लटकाने-भटकाने का काम : नड्डा

उत्तरकाशी, 06 फरवरी (एजेन्सी)। उत्तरकाशी के रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग आज गंगा-यमुना की आरती और चंदन लगाकर पूजा कर रहे हैं। ये वही लोग हैं, जिन्होंने राम मंदिर को लटकाने और भटकाने का काम किया। कहा कि हाथी के दांत खाने के कुछ और दिखाने के कुछ और होते हैं। खुशी इस बात की हो रही है कि इसी बहाने भाजपा ने उनको भारतीय संस्कृति की याद तो दिलाई।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चुनाव प्रचार अभियान के तहत यहां रामलीला मैदान में पार्टी प्रत्याशी सुरेश चौहान के पक्ष में चुनावी माहौल बनाते हुए कहा कि भाजपा गरीबों की पार्टी है। भाजपा ने काम किया है, करेगी और आगे भी करती रहेगी। नड्डा ने केंद्र सरकार की तमाम विकास योजनाओं को आंकड़ों के साथ जनता के समक्ष रखते हुए कहा कि आजाद भारत में पहली बार 45 करोड़ जनधन खाते खोले गए।

कोरोनाकाल में हाहाकार के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 करोड़ महिलाओं के खाते में राहत राशि डालने का काम किया। उन्होंने कहा कि ये कोई भाषण की बात नहीं है,बल्कि विकास की एक गाथा है। जिसको भाजपा ने पूरी शिद्दत के साथ पूरे देश में आगे बढ़ाने का काम किया।

रविवार को उत्तरकाशी पंहुचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से जन सभा को संबोधित करने से पूर्व नगर के प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने बिशेष पूजा अर्चना की और बाबा विश्वनाथ से अपनी कुशलता व जीत का आशीष मांगा।

उत्तरकाशी में जनसभा को संबोधित करने से पूर्व भाजपा के

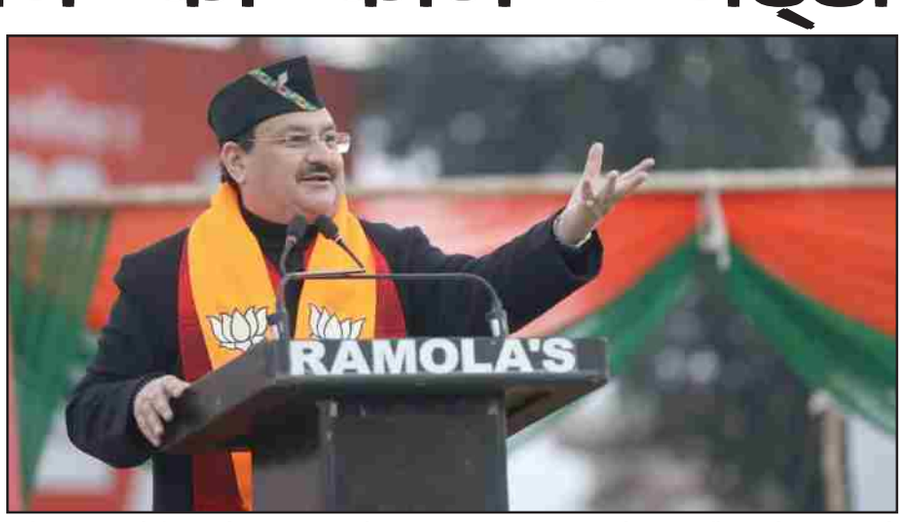


राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्वर कोकिला लत्ता मंगेशकर के निधन पर उनको भावभीनी श्रद्धांजली। इस दौरान उन्होंने सभी उपस्थित लोगों के साथ दो मिनट का मौन रखा और इस पूरे विश्व में संगीत जगत के लिए बड़ी जनहानी बताया। कहा कि लता ममता की प्रतीक थी। जिनके जाने से आज पूरा देश दुखी है। भगवान उनको अपने चरणों में स्थान दे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यहां चुनावी जनसभा के दौरान जनता से गंगोत्री से सुरेश चौहान, यमुनोत्री से केदार सिंह रावत और पुरोला से दुर्गेश्वर लाल को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस बार भी गंगोत्री समेत तीनों विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी जीतेंगे और प्रदेश में कमल खिलने के साथ पार्टी फिर से सरकार बनाने का काम करेगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश चौहान, महामंत्री हरीश डंगवाल, विजयपाल मखलोगा, स्वराज विद्धान, भाजपा प्रत्याशी सुरेश चौहान, केदार सिंह रावत, दुर्गेश्वर लाल, चंदन पंवार, लोकेन्द्र बिष्ट, रामसुंदर नौटियाल, बालशेखर नौटियाल सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# अजमेर शरीफ दरगाह पर पीएम की भेजी चादर केंद्रीय मंत्री नकवी ने पेश की

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेन्सी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्स पर अजमेर शरीफ दरगाह पर चढ़ाई जाने वाली चादर को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी द्वारा पेश किया। ये आठवां मौका होगा, जब पीएम मोदी की तरफ से दरगाह पर चादर चढ़ाई।

प्रधानमंत्री द्वारा भेजी गई चादर का वहां मौजूद लोगों ने पूरे सम्मान के साथ स्वागत किया और ख्वाजा गरीब नवाज के दरबार में पेश की। दरगाह पर केंद्रीय मंत्री नकवी के अलावा अन्य कई लोग भी इस मौके पर शामिल रहे। उन्होंने इस दौरान कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सूफियों की सोच, संतों के संस्कार और समाज के समावेशी सशक्तिकरण का संकल्प ही हिंदुस्तान को विश्वगुरु बनाने का मजबूत मंत्र है।

हालांकि इस मौके पर प्रधानमंत्री द्वारा भेजा गया एक संदेश भी केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने सभी के सामने पढ़कर सुनाया। संदेश में कहा गया है, ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती के 810वें उर्स पर विश्वभर में उनके अनुयायियों को बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं। दुनिया को मानवता का संदेश देने वाले महान सूफी संत के उर्स के अवसर पर अजमेर शरीफ में चादर भेजते हुए मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

अनेकता में एकता भारत की पहचान है। देश में विभिन्न पंथों, संप्रदायों एवं मान्यताओं का सद्भावपूर्ण सह-अस्तिव हमारी विशिष्टता है। विभिन्न कालखंडों में देश के सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूती प्रदान करने वाले संतों, महात्माओं, पीर व फकीरों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस गौरवशाली परंपरा में ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती का नाम पूरे आदर और श्रद्धा के साथ लिया जाता है, जिन्होंने समाज को प्रेम एवं सौहार्द का संदेश दिया।

गरीब नवाज के आदशरें एवं विचारों से पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा मिलती रहेगी। समरसता और भाईचारे की मिसाल यह उत्सव श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास को और प्रगाढ़ बनाएगा। इसी विश्वास के साथ ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती के वार्षिक उर्स के अवसर पर मैं दरगाह अजमेर शरीफ से देश की खुशहाली और समृद्धि की कामना करता हूं।

संदेश पढ़ने के बाद केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि आज दुनिया मोदी की तरफ उम्मीद और यकीन के साथ विश्व शांति के नायक के रूप में देख रही है, वह इन्हीं सूफी-संतों के आशीर्वाद और समाज के समर्थन का नतीजा है। ख्वाजा गरीब नवाज का जीवन हमें सामाजिक सौहार्द एवं एकता की ताकत को और मजबूत करने की प्रेरणा देता है, जिससे कि हम टकराव-बिखराव पैदा करने वाली ताकतों को परास्त कर सकें।

उन्होंने कहा, ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की शिक्षा 'विश्व शांति का प्रभावी संकल्प' है और हिन्दुस्तानी संस्कार-संकल्प-संस्कृति का सार्थक संदेश है।

# हाथी के खाने के दांत कुछ और, दिखाने के कुछ और : नड्डा

उत्तरकाशी, 06 फरवरी (एजेन्सी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा चुनावी प्रचार को धार देने के लिए उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर हैं। उत्तरकाशी पहुंच उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत स्वर कोकिला लता मंगेशकर को याद कर की। जेपी नड्डा ने कहा कि वे ममता की प्रतीक थीं।

जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, कुछ लोग गंगा-यमुना की आरती और पूजा कर रहे हैं। ये लोग वही हैं, जिनके हाथी के दांत खाने के कुछ और दिखाने के कुछ और हैं। ये वही लोग हैं, जो राम मंदिर निर्माण के विरोधी थे। पर, इन्हें देखकर खुशी हो रही है कि इसी बहाने भारतीय संस्कृति को तो जाना।

उन्होंने कहा विकास करने वाली केवल भाजपा ही है। आयुष्मान योजना से सालाना पांच लाख रुपये का इलाज किया जा रहा है। ये दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ योजना है। उन्होंने ये भी कहा कि सैन्य धाम उत्तराखंड में बन रहा है। जेपी नड्डा ने कहा कि 15 लाख रुपये की व्यवस्था की पर्वत माला योजना के तहत हिमाचल और उत्तराखंड को बड़ी लाभ होगा। रोपवे का काम चल रहा है। रोपवे योजना पर्यटन, तीर्थाटन और सामरिक ऑष्टि से महत्वपूर्ण है। आलवेदर रोड विकास का रास्ता है। जेपी नड्डा ने कहा कि गंगोत्री और यमुनोत्री विधानसभा से भाजपा के अगले एक दशक के विकास का खाका है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने गरीब के मर्म को समझा और लॉकडाउन में महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं के खाते में धनराशि दी। उज्जवला गैस कनेक्शन से महिला सशक्तिकरण हुआ है।

जेपी नड्डा सहसपुर पहुंचेंगे और वहां घर-घर जनसंपर्क करेंगे। फिर उनका डोईवाला में सभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है। देहरादून में रात्रि विश्राम करने के बाद नड्डा सात फरवरी को बागेश्वर, पिथौरागढ़ व देहरादून कैंट में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में सभाओं को संबोधित करेंगे।

# बीएसएफ ने स्मगलिंग का बड़ा प्रयास विफल किया, तीन पाकिस्तानी तस्कर मारे गए

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेन्सी)। बीएसएफ ने रविवार को तीन पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के सांबा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक बड़े मादक पदार्थ की तस्करी के प्रयास को नाकाम कर दिया और करोड़ों रुपये की 36 किलोग्राम हेरोइन बरामद की।

जम्मू कश्मीर के सांबा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास रविवार तड़के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कार्रवाई में मादक पदार्थों के तीन तस्कर मारे गए। बीएसएफ ने इस कार्रवाई में करोड़ों रुपये मूल्य के 36 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक डी. के. बूरा ने कहा कि इस वर्ष बीएसएफ ने सीमा के पास तस्करी के चौथे प्रयास को विफल किया है और पिछले एक वर्ष में नौ पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया गया है। बूरा ने संवाददाताओं से कहा, पिछली रात हमने एक काफी अच्छे अभियान को अंजाम दिया जब सतर्क जवानों ने पाकिस्तान की तरफ से मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया। तस्करों ने मादक पदार्थों की बड़े खेप की तस्करी के लिए अंधेरे और कुहासे का फायदा उठाने का प्रयास किया।

जब्त सामान दिखाते हुए उन्होंने कहा कि निगरानी उपकरणों से तस्करों की आवाजाही देखी और इसी मुताबिक अग्रिम मोर्चे के जवानों को सतर्क किया गया। बीएसएफ के अधिकारी ने बताया, जब वे सीमा पर लगी बाड़ के नजदीक पहुंचे तो जवानों ने उन्हें चुनौती दी और इसके बाद तीनों घुसपैठियों को मार गिराया गया। इलाके की तलाशी में मादक पदार्थों के 36 पैकेट बरामद किए गए, जबकि मारे गए एक घुसपैठिये से एक पिस्तौल, एक मैगजीन, नौ गोलियां बरामद हुईं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा 9820 पाकिस्तानी रुपये, एक चाकू और पाक निर्मित एक कफ सिरप भी मारे गए घुसपैठिए से बरामद किया गया।

यह पूछने पर कि क्या मारे गए तस्करों का किसी आतंकवादी संगठन से भी जुड़ाव था तो उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा, अभियान जारी है और जांच भी। किसी निष्कर्ष पर पहुंचने पर हम विस्तृत ब्यौरा साझा करेंगे। इससे पहले अधिकारी ने बताया कि देर रात ढाई बजे तस्करी का प्रयास विफल कर दिया गया और मादक पदार्थ तस्करों के पास से हेरोइन के 36 पैकेट बरामद हुए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि जब्त मादक पदार्थ की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 180 करोड़ रुपये से अधिक है।

# कोरोना के खिलाफ मिला बड़ा हथियार, भारतीय वैज्ञानिकों का दावा- तैयार कर ली है ऑल वैरिएंट वैक्सीन

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेन्सी)। कोरोना वायरस तीसरी लहर के बीच भारतीय वैज्ञानिकों ने एक ऐसी वैक्सीन तैयार करने का दावा किया है जो कोरोना वायरस के सभी वैरिएंट के खिलाफ प्रभावी हो सकती है। काजी नजरूल विश्वविद्यालय, आसनसोल और भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर के वैज्ञानिकों ने एक पेप्ब्राइड वैक्सीन तैयार किया है, जिसको लेकर दावा है कि वो भविष्य में कोरोना वायरस के किसी भी वैरिएंट के खिलाफ बीमारी से रक्षा कर सकता है।

वैज्ञानिकों के रिसर्च को जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स ने प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया है। रिसर्चरों ने कहा कि इस हमने ऐक ऐसे मल्टी-एपिटोप मल्टी-टारगेट काइमेरिक पेप्टाइड जो कोरोना वायरस के सभी छह मेंबर के खिलाफ एंटीबॉडी तैयार करने में सक्षम होगा।

काजी नजरूल विश्वविद्यालय के साइंटिस्ट चौधरी और सुप्रभात मुखर्जी और आईआईएसईआर, भुवनेश्वर के पार्थ सारथी सेन गुप्ता, सरोज कुमार पांडा और मलय कुमार राणा ने कहा, डिज़ाइन किया गया टीका अत्यधिक स्थिर, एंटीजेनिक और इम्यूनोजेनिक पाया गया। चौधरी ने कहा कि रिसर्चरों की टीम ने कम्प्यूटेशनल मेथड के जरिए यह वैक्सीन विकसित की है और अगले चरण में वैक्सीन का प्रोडक्शन शामिल होगा। जिसके बाद इसकी टेस्टिंग शुरू की जाएगी।

चौधरी ने पीटीआई से कहा, यह टीका अपनी तरह का अनूठा है। दुनिया में कोई अन्य टीका एक ही समय में कोरोना वायरस के सभी वैरिएंट से निपटने के लिए तैयार नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि शोधकर्ताओं ने पहले छह अलग-अलग वायरस के स्पाइक प्रोटीन में विभिन्न संरक्षित क्षेत्रों की पहचान की थी जो बहुत कम उत्परिवर्तन से गुजरते हैं और इस तरह महामारी के दौरान थोड़ा बदल जाते हैं।

# राहुल गांधी का ऐलान, चन्नी होंगे पंजाब में कांग्रेस कस सीएम चेहरा

लुधियाना, 06 फरवरी (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को लुधियाना में एक रैली के दौरान पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा कर दी। राहुल गांधी ने कहा कि पंजाब में मौजूदा मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ही कांग्रेस का सीएम चेहरा होंगे। राहुल ने कहा कि 'ये मेरा नहीं पंजाब के लोगों का फैसला है। राहुल गांधी ने कहा, 'चन्नी जी गरीब घर के बेटे हैं। गरीबी को समझते हैं। गरीबी से निकले हैं। और उनके दिल में, खून में पंजाब है। सिद्धू जी के दिल में, खून में पंजाब है। आप काट के देखें कभी। खून निकलेगा और उसमें पंजाब दिखेगा।'

इससे पहले राहुल गांधी ने रविवार को लुधियाना के हयात रीजेंसी में पंजाब के मौजूदा मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू, पीपीसीसी के पूर्व प्रमुख सुनील जाखड़ और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ बंद कमरे में बैठक की थी। बता दें कि पंजाब में 20 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

वहीं लुधियाना में वर्चुअल रैली के दौरान पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, 'मैंने राहुल गांधी के फैसले को स्वीकार कर लिया है..अगर मुझे निर्णय लेने की शक्ति दी गई, तो मैं माफिया को खत्म कर दूंगा, लोगों के जीवन में सुधार करूंगा। सत्ता नहीं मिली तो आप जिसे भी सीएम बनाएं, उसके साथ मुस्कुराकर चलूंगा।'

बहुप्रतीक्षित घोषणा से पहले, राहुल गांधी और दो मुख्य दावेदारों - पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू को एक ही कार में यात्रा करते भी देखा गया था। कांग्रेस नेता सुनील कुमार जाखड़ ने भी तीनों के साथ राइड शेयर की थी।

# बीजेपी की मौजूदा नौ सीटों निकालने की चुनौती अनुप्रिया पटेल के सामन

लखनऊ, 06 फरवरी (एजेन्सी)। अपना दल (सोनेलाल) की राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल के कंधे पर 2017 में भाजपा द्वारा जीती गई नौ सीटों को सुरक्षित फिर से एनडीए के खाते में लाने की बड़ी चुनौती है। सीटों के बंटवारे के तहत भाजपा ने अद (एस) को जो दस नई सीटें दी हैं उनमें से नौ सीटें ऐसी हैं जहां पर मौजूदा विधायक भाजपा के हैं। एकमात्र रामपुर जिले की स्वार सीट ऐसी है जिस पर 2017 में भाजपा को सफलता नहीं मिली थी।

अपना दल एस को भाजपा गठबंधन के तहत बछरांवा, मऊरानीपुर, घाटमपुर, बिंदकी, चायल, बारा, नानपारा, कायमगंज और मानिकपुर और स्वार सीट पहली बार मिली है। 2017 में इन सीटों पर भाजपा ने अपने प्रत्याशी उतारे थे। जिसमें से स्वार को छोड़ शेष नौ सीटों पर भाजपा को जीत हासिल हुई थी। इसके बावजूद भाजपा ने अपनी इन मौजूदा सीटों को बड़े विश्वास के साथ सहयोगी अद (एस) को दिया है। इन सीटों का जातीय समीकरण अद (एस) के अनुकूल है।

वहीं भाजपा ने अद (एस) द्वारा 2017 में जीती गई नौ सीटों में से चार सीटों को अभी तक नहीं दिया है। इनमें से जहानाबाद सीट की जगह बिंदकी देकर एक सीट की भरपाई भाजपा कर चुकी है। वाराणसी की सेवापुरी, सोनभद्र की दुद्धी और सिद्धार्थनगर की शोहरतगढ़ सीट जो अद (एस) की जीती हुई सीट है, इन पर फैसला लंबित है। चर्चा है कि भाजपा इन सीटों को अपने पास रखते हुए इसके स्थान पर दूसरी सीटें अद (एस) को दे सकती है। इस लिहाज से अनुप्रिया को अब 2017 की जीती हुई अपनी सीटों में से सोरांव, छानबे, मड़ियाहूं, प्रतापगढ़ और विश्वनाथगंज पर फिर से जीत हासिल करने की चुनौती होगी।

इसके अलावा 2017 में कम अंतर से हारी सीट प्रतापपुर पर फिर से ताकत दिखाने का मौका अद (एस) को मिला है।

गठबंधन के तहत मिली सीटों में अद (एस) अब तक स्वार, घाटमपुर, कायमगंज, नानपारा, मऊरानीपुर, बिंदकी, बछरावां, चायल, बारा, मानिकपुर और सोरांव सीट पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। इनमें से स्वार सीट को छोड़ अन्य सभी सीटों पर 2017 में अद (एस) और भाजपा के प्रत्याशी चुनाव जीते थे।

# डीयू समेत दिल्ली के सभी कॉलेजों में ली जा सकेंगी ऑफलाइन सेमेस्टर परीक्षाएं

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेन्सी)। फिलहाल दिल्ली में विभिन्न विश्वविद्यालय ऑफलाइन कक्षाएं शुरू नहीं कर रहे हैं, बावजूद इसके सभी विश्वविद्यालय सेमेस्टर परीक्षा ऑफलाइन लेने का निर्णय ले सकते हैं। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट कमेटी यानी डीडीएमए दिल्ली में स्कूल कॉलेज खोले जाने की अनुमति दे चुका है। डीडीएमए के मुताबिक अब स्कूल कॉलेजों में छात्रों के लिए ऑफलाइन कक्षाएं शुरू की जा सकती हैं।

हालांकि कॉलेज स्थिति का आकलन करने के बाद ऑफलाइन कक्षाएं शुरू करने की बात कह रहे हैं। इस बीच छात्रों को सेमेस्टर परीक्षाएं देने के लिए कॉलेज जाने की अनुमति दी जा सकती है।

दरअसल विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा विश्वविद्यालयों को ऑफलाइन परीक्षाओं की इजाजत दे दी गई है।

विश्वविद्यालय व उनके अंतर्गत आने वाले कालेज अपने होम सेंटर पर सेमेस्टर एग्जाम ऑफलाइन मोड में ले सकते हैं। यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को कहा है कि होम सेंटर में सेमेस्टर परीक्षाएं ऑफलाइन आयोजित की जा सकती है। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखना होगा और कोरोना प्रोटोकॉल का उल्लंघन न हो यह सुनिश्चित करना कॉलेजों की जिम्मेदारी होगी।

यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों को सलाह दी है कि आगामी सेमेस्टर परीक्षाएं होम सेंटरों में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते आ ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएं।

यूजीसी की सलाह के उपरांत दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, अंबेडकर यूनिवर्सिटी और जामिया मिलिया इस्लामिया जैसे दिल्ली के बड़े विश्वविद्यालयों में सेमेस्टर परीक्षाएं ऑफलाइन माध्यमों से कक्षा में मौजूद रहकर दी जा सकेंगी।

गौरतलब है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने औपचारिक तौर पर ने स्कूलों एवं शिक्षण संस्थानों को फिर से खोलने के लिए दिशानिर्देश या एसओपी तैयार किए हैं। इसके अनुसार कक्षा में मौजूद छात्रों के

बीच कम से कम 6 फीट की दूरी बनाए रखनी होगी। सभी छात्रों शिक्षकों एवं अन्य स्कूल कर्मियों को पूरे समय फेस मास्क पहने रहना होगा। संस्थान द्वारा कोई ऐसा आयोजन नहीं किया जाएगा जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न करवाया जा सके। क्लास रूम के अलावा शिक्षकों के स्टाफ रूम, असेंबली एरिया, कॉमन एरिया में भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक जहां हॉस्टल की सुविधा है वहां हॉस्टल में भी छात्रों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा।

# तीन अंकों तक नहीं पहुंच पाएंगे सपा, बसपा और कांग्रेस : दिनेश शर्मा

लखनऊ, 06 फरवरी (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। सत्तारूढ़ दल भाजपा की ओर से उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा चुनाव में प्रचार अभियान की कमान संभाले हैं। उन्हें भाजपा सरकार के पांच सालों के कार्यों के जरिए बड़ी जीत दर्ज करने का भरोसा है। वहीं विपक्षी दल सपा, बसपा कांग्रेस को तीन अंको नहीं पहुंचने का दावा भी कर रहे हैं।

आईएएनएस से बातचीत में उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि भाजपा को पहले से ज्यादा सीटें इस चुनाव मिलने जा रही हैं।

भाजपा के लोग जनता का ध्यान मुख्य मुद्दों से भटकाने के लिए चुनाव को हिन्दु-मुस्लिम और पाकिस्तान पर केंद्रित कर रहे हैं। विपक्ष के इस आरोप पर उप मुख्यमंत्री डा. शर्मा ने कहा कि जिन्ना और पाकिस्तान का जिक्र विपक्ष ने ही किया है। उनके पास बताने के लिए कुछ भी नहीं है। प्रधानमंत्री के लिए अन्तिम समय की बात कर रहे हैं। भाजपा नेताओं के लिए अपशब्दों का प्रयोग विपक्ष कर रहा है। यह उनकी खीझ है। विकास न कर पाने का दु:ख होने के बजाय इस प्रकार का आचरण करेंगे। यह उचित नहीं है।

जाट और किसान वोटों की नाराजगी को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि किसान पूरी तरह हमारे साथ है। तमाम किसान नेता हमारे पक्ष में हैं। किसानों के लिए भाजपा सरकार ने बहुत काम किया है। किसान और कृषि आधारित नीतियां हमने बनाई है। विपक्ष केवल अफवाह फैला रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव लड़ रहे हैं, उप मुख्यमंत्री केशव भी चुनाव मैदान में हैं, अपने चुनाव लड़ने के सवाल पर डा. शर्मा ने कहा कि मैं संगठन से आया हुआ व्यक्ति हूं। मैं वार्ड से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक काम कर चुका हूं। भाजपा में सब कुछ संगठन ही तय करता है। पार्टी जो कहेगी वह करेंगे।

अपराधी की पैरवी नहीं करनी चाहिए। लेकिन मृतक विकास दुबे की पत्नी को सर्टिफिकेट के लिए चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, इस मामले में उन्होंने कहा कि जो बिन्दु न्यायालय में हैं उस पर टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए। अपराध के प्रति जीरो टालरेंस की नीति पर सरकार चल रही है। सबके साथ समान व्यवहार है। सबका साथ सबका विश्वास ही हमारा उद्देश्य है। यही कारण है सभी लोग हमारे साथ है।

खुशी दुबे के मामले में भी कहा कि यह मामला न्यायालय में है, इस पर कोई टिप्पणी ठीक नहीं है। प्रत्याशियों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी के सवाल पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं का हमेशा ध्यान रखती है। पार्टी हमेशा छोटे-बड़े सभी कार्यकर्ताओं का ध्यान देती है। विधान परिषद में बाहर से आने वालों को टिकट मिलने पर कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं का ध्यान रखेगी। जो पार्टी की नीति और सिद्धान्त पर खरे उतरेंगे उनको मौका मिलेगा। भाजपा से टूट कर कई मंत्री सपा में चले गये, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारे यहां तीन की चर्चा है, लेकिन उनके कई दर्जन विधायक आ गए हैं। अति-पिछड़ा अनुसूचित वर्ग के लोग यहां आ गये। मंडल व जिलों की समितियां पार्टी में आ गयी हैं। उसकी चर्चा भी होनी चाहिए।

एक अन्य सवाल के जवाब में डा. शर्मा ने कहा कि भाजपा परफारमेंस के आधार पर टिकट देती है। जिसका टिकट कटा है, उसे कहीं और मौका दिया जाएगा। पार्टी में सभी का सम्मान है। डा. शर्मा ने कहा कि भाजपा दलित, आगड़े, पिछड़ों सबकी पार्टी है, यहां सबका सम्मान है। हम जाति के आधार पर नहीं कर्म के आधार पर कार्यों को संचालित करते हैं।

चुनाव जीतने पर पार्टी का मुख्यमंत्री कौन होगा, यह पूछने पर वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि योगी जी हमारे पार्टी के शीर्ष नेता हैं। उनके नेतृत्व में हमने पांच साल कार्य किया है। भविष्य में एक अच्छे और उज्जवल प्रशासक के रूप में उनका नेतृत्व प्राप्त हो यह पार्टी पहले ही तय कर चुकी है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय नेतृत्व का बयान पहले ही आ चुका है। इसमें शंका की कोई बात ही नहीं है।

सपा ने 300 यूनिट फ्री बिजली और पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा उठाकर स्ट्रोक खेलने का प्रयास किया है, इस पर डॉ. शर्मा ने कहा कि ये हिट विकेट हो गये हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि 2005 में जब पुरानी पेंशन को खत्म किया गया, उस समय मुलायम सिंह की ही सरकार थी। उस समय इन लोगों ने क्यों नहीं इस मुद्दे को उठाया। 10 हजार करोड़ का अंशदान भी जमा नहीं किया। इसे भाजपा सरकार में जमा किया गया। हमारी सरकार में जो 10 प्रतिशत का अंशदान था, उसे बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया गया। वेतन भत्ता की प्रक्रिया को नई पेंशन में बरकरार रखा गया। पुरानी पेंशन के बेहतर विकल्प नई पेंशन में केन्द्र और राज्य द्वारा समाहित हो रहे हैं। उसके लाभ भी ज्यादा हैं।

उन्होंने आगे कहा कि ये लोग वह घोषणा करते हैं, जो कभी कर नहीं सकते हैं। जैसे 2012 इन्होंने 47 लाख घर देने के फार्म भरवाए थे, लेकिन बाद में दिए मात्र हजार दो हजार मकान। वहीं भाजपा सरकार ने 2017 में 45 लाख माकान दिए। वही लोग अब बिजली के फार्म भरवा रहे हैं। जब जान गये कि किसानों का बिजली बिल भाजपा सरकार ने आधा कर दिया तो ये उसे पूरा माफ करने की बात कह रहे हैं। ये लोग अर्नगल घोषाणाएं कर रहे हैं। हम किसानों के लिए अच्छे विकल्प लेकर आएंगे।

आवारा पशुओं के सवाल पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा सरकार में एक भी रुपए गौशाला के लिए नहीं दिया गया। हमारी सरकार में प्रत्येक जिले में गौशााला खोलने और गाय पालने के लिए एक निश्चित धनराशि दी जा रही है। कई गांवों में गौशाला खुली है, आगे और विस्तार होगा।

एक अन्य सवाल के जवाब में डॉ. दिनेश ने कहा कि विपक्षियों की जो सूची जारी हुई है, उसमें से अलादीन के चिराग से जैसे जिन्न निकला वैसे ही इनकी सूची से अपराधी निकल रहे हैं। यूपी फिर से अपराध ग्रस्त न हो जाए। यह अशंका मतदाताओं के बीच में पैदा हो रही है। ऐसे में भाजपा इस बार पिछला रिकार्ड तोड़गी। सपा, बसपा और कांग्रेस तीन अंकों तक नहीं पहुंच पाएंगे।

## बिहार अनलॉक : खुलेंगे स्कूल कॉलेज, शादी में 200 लोगों को शामिल होने की अनुमति

पटना, 06 फरवरी (का.सं.)। बिहार में कोरोना संक्रमण की दर आधा फीसदी से नीचे आ गई है। ऐसे में कोरोना प्रतिबंधों में छूट की मांग की जा रही थी। ऐसे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक हुई। इसमें कोरोना की स्थिति की समीक्षा के बाद लोगों को प्रतिबंधों से कई तरह की राहत दी गई है। अब 50 प्रतिशत की क्षमता के साथ आठवीं तक के स्कूल खोलने की अनुमति दी गई है। वहीं दुकानें, शॉपिंग मॉल सामान्य रूप से खुल सकते हैं। इसके अलावा शादी समारोह में 200 लोगों को शामिल होने की इजाजत दी गई है। इसकी जानकारी खुद सीएम ने ट्वीट करके दी।

सीएमजी की बैठक में कोरोना संक्रमण की स्थिति में सुधार को देखते हुए 8वीं कक्षा तक के सभी विद्यालय 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खुलेंगे। वहीं 9वीं एवं ऊपर की कक्षाओं से संबंधित सभी विद्यालय एवं महाविद्यालय तथा कोचिंग संस्थानों को शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ खोलने की अनुमति दी गई है।

बैठक में फैसला लिया गया है कि सभी सरकारी कार्यालय प्रतिदिन सामान्य रूप से खुलेंगे। केवल टीका प्राप्त आगंतुकों (विजिटर्स) को ही कार्यालय में प्रवेश दिया जाएगा।

बिहार में अब सभी दुकानें, प्रतिष्ठान, शॉपिंग मॉल एवं धार्मिक स्थल सामान्य रूप से खुल सकेंगे। सभी पार्क एवं उद्यान प्रात: 6 बजे से अपराह्न 2 बजे तक खुलेंगे। सिनेमा हॉल, क्लब, जिम, स्टेडियम, स्वीमिंग पूल, रेस्टोरेंट एवं खाने की दुकानें (विजिटर्स के साथ) 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खुल सकेंगी।

जिला प्रशासन की पूर्वानुमति से सभी प्रकार के सामाजिक, राजनीतिक, मनोरंजन, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन अपेक्षित सावधानियों के साथ आयोजित किए जा सकेंगे। विवाह समारोह, अंतिम संस्कार/श्राद्ध कार्यक्रम अधिकतम 200 व्यक्तियों की उपस्थिति के साथ आयोजित किये जा सकेंगे।

कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है ऐसे में सभी बिहारवासियों को कोविड नियमों का पालन करना होगा। मास्क के उपयोग के साथ ही सामाजिक दूरी का पालन करना नितांत आवश्यक है।

## राज्यपाल ने किया अमृत महोत्सव ग्रीन पार्क का दौरा



अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 06 फरवरी । राज्यपाल गंगा प्रसाद ने आज मार्तम रुम्तेक निर्वाचन क्षेत्र के तहत 41 बेंग फेगयोंग जीपीयू में 'अमृत महोत्सव ग्रीन पार्क' का दौरा किया। उनके साथ विधायक सोनम छिरिंग वेंचुंग्पा भी थे। राज्यपाल ने चल रहे कार्यों का जायजा लिया और अपने सुझाव रखे।

### SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 07:00 PM
LABHLAXMI DIAMOND SUNDAY
Draw No:3 DrawDate on:06/02/22
1st Prize ₹10,000/- 8913
2nd Prize ₹5,000/- 1862
3rd Prize ₹500/- 5444
4th Prize ₹300/- 8259
5th Prize ₹200/- 6960
6th Prize ₹100/-
0036 0041 0077 0093 0098 0159 0186 0201 0277 0279
0282 0289 0313 0344 0367 0405 0468 0473 0476 0504
0506 0545 0562 0572 0657 0682 0705 0713 0721 0724
0737 0780 0783 0813 0822 0831 0837 0847 0870 0871
0876 0892 0909 0912 0930 0989 0998 1064 1078 1112
1127 1189 1192 1200 1281 1297 1300 1331 1336 1344
1404 1510 1554 1621 1632 1679 1682 1684 1703 1706
1722 1738 1747 1748 1791 1842 1876 1890 1893 1931
1943 1955 1970 2006 2019 2037 2094 2141 2143 2210
2225 2258 2302 2335 2338 2369 2387 2409 2434 2545
2554 2565 2588 2633 2664 2690 2696 2745 2762 2779
2787 2817 2820 2877 2916 2960 2964 3003 3066 3067
3070 3073 3076 3091 3101 3124 3144 3195 3256 3265
3296 3324 3411 3424 3445 3456 3471 3485 3506 3508
3518 3531 3533 3559 3579 3627 3639 3642 3648 3703
3736 3739 3788 3807 3812 3859 3874 3909 3915 3990
3994 4198 4234 4248 4261 4265 4273 4281 4295 4342
4345 4353 4438 4446 4459 4476 4485 4490 4525 4533
4561 4581 4592 4608 4618 4753 4766 4831 4832 4836
4890 4894 4914 4958 5005 5012 5076 5119 5123 5153
5170 5177 5179 5181 5233 5289 5310 5318 5337 5378
5440 5442 5482 5485 5511 5524 5551 5605 5607 5625
5663 5689 5691 5741 5757 5772 5812 5813 5822 5860
5867 5884 5887 5904 5978 6021 6039 6058 6120 6135
6163 6178 6199 6207 6222 6282 6345 6378 6424 6429
6438 6482 6487 6495 6561 6583 6612 6626 6651 6657
6665 6723 6736 6742 6754 6781 6785 6808 6885 6887
6893 6915 6951 6971 6980 6992 7003 7031 7096 7111
7183 7196 7300 7318 7406 7459 7470 7474 7484 7487
7521 7582 7620 7641 7643 7653 7697 7753 7781 7794
7845 7861 7897 7898 7941 7943 8023 8026 8029 8054
8070 8117 8119 8122 8188 8198 8221 8261 8284 8294
8300 8380 8387 8398 8400 8411 8420 8430 8434 8440
8451 8458 8462 8466 8543 8547 8551 8606 8624 8663
8664 8688 8695 8760 8770 8833 8844 8887 8903 8937
8943 8964 8984 9055 9060 9083 9116 9123 9147 9271
9272 9290 9309 9312 9313 9341 9354 9375 9394 9427
9435 9439 9447 9489 9523 9526 9547 9557 9600 9686
9704 9719 9766 9830 9837 9841 9901 9913 9951 9956
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES, GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

### SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 07:00 PM
LABHLAXMI OPAL SATURDAY
Draw No:3 DrawDate on:05/02/22
1st Prize ₹10,000/- 3501
2nd Prize ₹5,000/- 9287
3rd Prize ₹500/- 7927
4th Prize ₹300/- 9262
5th Prize ₹200/- 1296
6th Prize ₹100/-
0044 0059 0076 0091 0102 0147 0180 0231 0244 0258
0263 0284 0327 0395 0414 0453 0472 0498 0524 0535
0554 0599 0608 0617 0642 0654 0660 0668 0705 0751
0782 0805 0835 0853 0872 0946 0964 0979 0982 1032
1077 1081 1122 1142 1146 1158 1165 1196 1199 1214
1227 1329 1404 1412 1430 1460 1526 1559 1581 1584
1648 1662 1683 1686 1726 1728 1729 1790 1810 1833
1863 1869 1882 1899 1936 1944 1949 2023 2049 2116
2183 2187 2245 2251 2265 2294 2296 2302 2320 2342
2370 2400 2427 2486 2500 2504 2633 2637 2670 2750
2758 2770 2815 2882 2951 3001 3004 3025 3026 3030
3135 3150 3152 3175 3309 3317 3334 3335 3347 3379
3393 3409 3423 3435 3441 3451 3485 3521 3549 3605
3609 3628 3638 3640 3690 3715 3732 3748 3767 3801
3819 3856 3880 3899 3939 3940 3952 3957 3998 4017
4022 4029 4089 4116 4124 4138 4165 4195 4232 4248
4256 4311 4317 4358 4377 4405 4453 4517 4570 4613
4625 4647 4656 4668 4699 4716 4730 4753 4754 4798
4808 4836 4849 4862 4887 4919 4929 4981 5016 5022
5025 5033 5042 5048 5052 5053 5073 5093 5172 5180
5181 5189 5218 5246 5285 5335 5360 5399 5400 5414
5422 5424 5444 5447 5488 5489 5545 5560 5586 5591
5625 5626 5673 5677 5703 5727 5770 5863 5869 5879
5895 5928 5929 5973 6013 6021 6089 6091 6108 6153
6201 6219 6261 6276 6313 6341 6408 6409 6472 6555
6556 6559 6596 6600 6618 6630 6633 6641 6655 6695
6708 6763 6827 6846 6848 6852 6855 6911 6946 7014
7017 7068 7069 7071 7104 7109 7123 7127 7133 7162
7181 7217 7225 7245 7252 7287 7310 7318 7349 7393
7395 7447 7465 7473 7521 7530 7534 7537 7542 7549
7570 7578 7636 7670 7678 7699 7701 7703 7708 7711
7735 7769 7780 7786 7794 7827 7888 7925 7960 7970
7995 8036 8105 8118 8128 8129 8157 8174 8212 8216
8252 8276 8295 8299 8302 8310 8352 8407 8408 8443
8503 8543 8583 8591 8607 8641 8666 8700 8704 8780
8785 8803 8807 8828 8837 8843 8967 9092 9137 9143
9168 9170 9179 9196 9219 9220 9259 9269 9295 9332
9348 9391 9407 9410 9439 9649 9668 9700 9702 9703
9718 9765 9797 9799 9852 9925 9940 9961 9977 9999
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES, GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

### NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR JUPITER SUNDAY
Draw No:62 DrawDate on:06/02/22
1st Prize ₹1 Crore/- 76G 76419
Cons. Prize Rs.1000/- 76419 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
12639 30582 31150 40805 47972 52621 65904 72250 90659 94314
3rd Prize ₹450/-
0993 1683 2322 2505 2524 4596 4693 5956 6742 8360
4th Prize ₹250/-
0280 0922 1080 2820 3302 4973 7945 8375 9155 9214
5th Prize ₹120/-
0074 0154 0163 0213 0401 0581 0638 0655 0665 0773
0959 1124 1302 1407 1503 1710 1802 1937 2028 2207
2310 2386 2433 2462 2720 2800 2874 3138 3221 3231
3328 3383 3406 4019 4094 4170 4230 4243 4316 4362
4395 4501 4566 4595 4725 4947 4975 5046 5053 5059
5173 5253 5261 5345 5461 5527 5552 5599 5730 5870
5945 5958 6003 6234 6253 6374 6514 6611 6680 6815
7046 7079 7100 7105 7111 7123 7198 7229 7444 7501
7563 7718 7941 7971 8187 8302 8347 8445 8564 8637
8927 9064 9245 9278 9450 9504 9690 9751 9913 9988
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

### NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR HAWK EVENING
Draw No:162 DrawDate on:06/02/22
1st Prize ₹1 Crore/- 90H 08064
Cons. Prize Rs.1000/- 08064 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
10262 11534 12956 22023 60490 92631 93418 93652 96690 97884
3rd Prize ₹450/-
0304 0792 2506 3019 3150 4116 4818 6227 7803 9850
4th Prize ₹250/-
2542 6154 6169 6591 6871 7686 8038 8992 9727 9992
5th Prize ₹120/-
0024 0048 0146 0300 0370 0734 0851 1154 1169 1232
1399 1554 1610 1708 1729 1732 1882 1943 2036 2073
2273 2312 2367 2492 2560 2598 2603 2726 2807 2840
2925 3025 3225 3362 3441 3472 3589 3641 3693 3745
3775 3791 3809 4048 4058 4133 4224 4400 4417 4672
4688 4721 4802 4837 4970 5346 5405 5610 5621 5718
5826 6221 6297 6306 6330 6426 6473 6584 6614 6643
6698 6904 7017 7029 7068 7101 7138 7201 7456 7475
7826 8008 8287 8337 8455 8550 8628 8694 8901 9089
9147 9219 9233 9280 9373 9639 9824 9874 9949 9987
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

### NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR DAMODAR MORNING
Draw No:62 DrawDate on:06/02/22
1st Prize ₹1 Crore/- 94G 92598
Cons. Prize Rs.1000/- 92598 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
05452 07348 18462 24647 45942 69578 72281 73567 96154 99179
3rd Prize ₹450/-
0980 1373 1842 1882 3461 4668 5219 6129 6514 8605
4th Prize ₹250/-
0874 1438 1557 1976 2885 4275 4410 4951 5893 8993
5th Prize ₹120/-
0026 0138 0147 0271 0282 0365 0380 0545 0571 0675
0800 0830 0850 0925 0982 1152 1177 1182 1359 1435
1473 1476 1487 1601 1627 1938 1947 2056 2476 2604
2663 2914 3086 3101 3371 3375 3488 3610 3628 3705
3743 3826 3891 3965 4193 4278 4304 4316 4569 4611
4642 4693 4727 4867 4921 5072 5145 5232 5375 5472
5561 5607 5624 5626 5762 5953 5954 6238 6267 6269
6318 6354 6463 6546 6809 6827 6935 6948 7218 7239
7731 7779 7795 7831 8229 8258 8382 8415 8796 8872
8964 9052 9185 9249 9330 9392 9562 9579 9739 9822
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

### SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR 100 SWAN SUNDAY
Draw No:3 DrawDate on:06/02/22
1st Prize ₹20LAKHS/- 04522
2nd Prize ₹9000/-
3243 3696 5200 5231 5243 6447 7187 8535 8751 9211
3rd Prize ₹5000/-
0304 0970 3523 3763 4207 4292 5882 6159 7175 7324
4th Prize ₹2000/-
0462 0621 1279 2058 2163 2503 3686 4852 6827 8147
5th Prize ₹1000/-
0490 2587 3174 3961 4794 5766 5955 6812 6880 8304
6th Prize ₹500/-
0020 0149 0267 0299 0352 0711 0766 1059 1134 1344
1755 1774 1921 1982 2101 2316 2408 2463 2483 2537
2539 2660 3076 3119 3185 3401 3555 3742 3755 3756
3835 3905 4006 4007 4038 4079 4139 4277 4320 4324
4541 4666 4718 4898 5360 5525 5568 5588 5668 5709
5742 5885 5971 6000 6009 6092 6156 6319 6440 6606
6680 6830 6977 7063 7141 7147 7192 7237 7353 7644
7687 7728 7840 7854 7858 7987 8126 8184 8381 8393
8418 8443 8478 8531 8654 8714 8740 8761 9180 9245
9263 9393 9495 9525 9636 9788 9796 9854 9887 9942
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES, GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

### SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 04:00 PM
LABHLAXMI PEARL SUNDAY
Draw No:3 DrawDate on:06/02/22
1st Prize ₹10,000/- 2607
2nd Prize ₹5,000/- 5284
3rd Prize ₹500/- 4699
4th Prize ₹300/- 0391
5th Prize ₹200/- 9001
6th Prize ₹100/-
0009 0060 0070 0073 0120 0153 0179 0188 0240 0306
0315 0345 0366 0370 0392 0494 0512 0523 0532 0539
0573 0583 0586 0603 0608 0618 0641 0671 0685 0715
0719 0742 0791 0838 0864 0888 0908 0913 0919 0937
0955 0992 1069 1071 1091 1102 1117 1172 1174 1177
1239 1246 1252 1277 1278 1305 1354 1371 1397 1430
1454 1455 1462 1464 1569 1578 1584 1589 1619 1649
1652 1719 1872 1877 1879 1884 1896 1905 1954 1990
2031 2050 2056 2060 2100 2203 2212 2220 2234 2347
2364 2386 2419 2442 2449 2482 2490 2491 2508 2524
2533 2543 2550 2555 2557 2566 2572 2578 2612 2651
2664 2691 2700 2711 2755 2768 2810 2821 2877 2898
2964 2992 3009 3022 3033 3035 3057 3081 3094 3096
3107 3120 3155 3158 3189 3254 3266 3296 3309 3320
3368 3377 3379 3382 3396 3419 3424 3428 3432 3439
3488 3517 3532 3563 3603 3639 3640 3645 3650 3716
3801 3845 3859 3933 3983 4046 4082 4196 4224 4355
4435 4444 4465 4470 4507 4521 4552 4553 4570 4596
4625 4643 4677 4705 4737 4748 4836 4837 4859 4898
4927 4959 5013 5026 5066 5085 5122 5126 5143 5151
5169 5176 5191 5217 5256 5297 5347 5353 5392 5420
5425 5432 5445 5454 5464 5559 5567 5608 5651 5678
5773 5789 5791 5808 5816 5819 5867 5909 5911 5938
5951 5961 5965 5970 6007 6021 6055 6068 6097 6120
6131 6172 6210 6225 6263 6283 6286 6301 6316 6333
6342 6352 6385 6419 6421 6453 6462 6521 6547 6555
6556 6576 6614 6617 6657 6677 6688 6695 6717 6744
6795 6833 6841 6913 6956 7020 7027 7035 7054 7068
7070 7123 7129 7131 7142 7180 7214 7219 7251 7261
7284 7296 7300 7334 7337 7385 7391 7403 7409 7434
7469 7511 7544 7546 7562 7568 7577 7578 7607 7630
7637 7651 7667 7733 7741 7797 7869 7876 7878 7891
7905 7915 7955 7968 7971 8072 8076 8077 8122 8152
8167 8208 8230 8235 8254 8257 8271 8275 8334 8381
8388 8419 8420 8476 8485 8493 8496 8505 8546 8581
8615 8640 8649 8654 8685 8695 8699 8792 8848 8950
8987 9003 9014 9118 9142 9157 9173 9189 9320 9324
9346 9354 9393 9402 9411 9475 9520 9585 9622 9669
9705 9763 9803 9836 9842 9844 9920 9927 9939 9980
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES, GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

### NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR OSTRICH EVENING
Draw No:162 DrawDate on:05/02/22
1st Prize ₹1 Crore/- 38J 07544
Cons. Prize Rs.1000/- 07544 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
24832 34894 44257 59579 70331 78706 80302 87836 93233 94536
3rd Prize ₹450/-
0580 0671 1406 1803 2782 5771 6093 6378 8649 9007
4th Prize ₹250/-
0610 1960 3558 5027 6361 8531 8695 8951 9441 9788
5th Prize ₹120/-
0168 0297 0530 0600 0604 0874 0921 1003 1034 1109
1147 1201 1563 1582 1867 1947 2010 2109 2149 2161
2216 2285 2444 2464 2522 2748 2943 3034 3315 3508
3640 3651 3757 3763 3852 3867 3922 3981 4088 4169
4189 4205 4251 4259 4293 4428 4569 4592 4633 4649
4722 4758 4806 4896 5022 5128 5250 5280 5300 5525
5631 5632 5648 5719 5999 6000 7194 7229 7267 7368
7414 7540 7557 7621 7680 7797 7994 8176 8206 8314
8375 8376 8441 8470 8533 8749 8808 8901 8990 9098
9200 9201 9408 9625 9655 9772 9783 9827 9829 9883
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

### NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MARS SATURDAY
Draw No:62 DrawDate on:05/02/22
1st Prize ₹1 Crore/- 86D 48118
Cons. Prize Rs.1000/- 48118 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
25928 30634 42278 47546 59407 63148 75533 78036 85313 91492
3rd Prize ₹450/-
0309 2201 4318 4734 4968 6224 6503 7053 7690 8416
4th Prize ₹250/-
0618 1259 1341 3115 3123 5787 6250 9387 9643 9955
5th Prize ₹120/-
0094 0435 0484 0593 0800 0905 0920 1185 1221 1243
1262 1349 1510 1515 1753 1776 1927 1951 1981 2114
2129 2139 2205 2238 2311 2463 2738 2953 3139 3438
3500 3525 3689 3853 3954 4039 4083 4172 4179 4414
4572 4597 4622 4692 4720 4738 4873 5011 5257 5282
5300 5870 5984 6027 6059 6067 6085 6101 6108 6124
6311 6340 6412 6418 6432 6470 6531 6784 6804 6826
6909 6948 6979 7016 7080 7323 7826 8020 8255 8334
8335 8814 8917 9017 9095 9104 9159 9288 9438 9452
9489 9519 9557 9620 9699 9818 9860 9908 9921 9922
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

### NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR KOSAI MORNING
Draw No:62 DrawDate on:05/02/22
1st Prize ₹1 Crore/- 40E 04634
Cons. Prize Rs.1000/- 04634 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02516 11279 23759 32329 39572 40199 40575 47798 80544 83263
3rd Prize ₹450/-
0887 1328 2083 2115 2326 2400 4956 6372 7525 7881
4th Prize ₹250/-
1360 2211 3419 4545 4689 5628 5781 7152 7322 9415
5th Prize ₹120/-
0202 0307 0433 0667 0716 0749 1070 1089 1127 1254
1395 1424 1559 1704 1851 1920 2222 2300 2367 2383
2585 2586 2689 2771 2967 2986 3007 3157 3234 3491
3551 3664 3803 3806 4023 4086 4094 4184 4207 4412
4564 4570 4609 4722 5572 5662 5682 5736 5777 5788
5914 5972 6231 6318 6330 6400 6446 6482 6498 6664
6703 6768 6803 7040 7169 7253 7308 7360 7440 7563
7570 7672 7700 7722 8013 8019 8078 8399 8470 8514
8610 8690 8739 8857 8882 9005 9100 9204 9205 9215
9246 9525 9560 9605 9731 9758 9780 9788 9883 9954
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

### SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR 100 FALCON SATURDAY
Draw No:3 DrawDate on:05/02/22
1st Prize ₹20LAKHS/- 44780
2nd Prize ₹9000/-
0446 3919 4229 4527 6178 6897 8030 8470 9441 9704
3rd Prize ₹5000/-
0554 0685 3194 3526 3589 3836 8504 8673 8939 9506
4th Prize ₹2000/-
2159 3309 3327 5683 6554 6737 7031 7878 8405 8832
5th Prize ₹1000/-
0129 2278 2423 2860 4376 4890 5339 5471 8632 8708
6th Prize ₹500/-
0077 0402 0452 0487 0748 0815 0824 1163 1284 1287
1556 1867 1905 2061 2114 2144 2264 2294 2302 2386
2442 2495 2497 2629 2871 2902 3083 3206 3293 3301
3318 3488 3553 3608 3748 4057 4093 4133 4218 4476
4573 4584 4714 4740 4835 4932 4981 5038 5072 5174
5175 5305 5649 5668 5745 5753 6063 6236 6581 6593
6627 6642 6695 6835 6863 6986 6988 7057 7074 7095
7104 7153 7182 7231 7438 7442 7519 7638 7828 7865
7963 7986 8053 8111 8257 8413 8476 8479 8570 8619
8692 8863 9117 9190 9327 9405 9577 9729 9776 9970
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES, GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

### SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 04:00 PM
LABHLAXMI SUPREME SATURDAY
Draw No:3 DrawDate on:05/02/22
1st Prize ₹10,000/- 2558
2nd Prize ₹5,000/- 1321
3rd Prize ₹500/- 9995
4th Prize ₹300/- 0440
5th Prize ₹200/- 4011
6th Prize ₹100/-
0059 0108 0167 0172 0212 0214 0246 0273 0287 0325
0439 0487 0493 0533 0544 0568 0620 0629 0641 0649
0704 0710 0738 0741 0747 0751 0760 0767 0789 0804
0825 0947 0969 0990 0998 1021 1073 1081 1105 1113
1119 1122 1123 1156 1174 1180 1227 1230 1237 1241
1273 1284 1301 1385 1386 1391 1430 1435 1446 1454
1468 1483 1494 1524 1537 1556 1582 1587 1620 1651
1710 1714 1723 1792 1811 1847 1924 1927 1934 2049
2063 2067 2076 2078 2096 2103 2121 2134 2146 2150
2202 2271 2277 2285 2312 2370 2381 2396 2404 2479
2491 2514 2520 2571 2603 2660 2676 2705 2719 2728
2750 2790 2810 2826 2858 2882 2887 2888 2893 2913
2947 2958 3006 3010 3075 3081 3104 3129 3159 3178
3253 3333 3368 3377 3391 3407 3461 3470 3474 3492
3544 3581 3614 3641 3759 3797 3814 3816 3826 3845
3857 3862 3884 3887 3943 3987 4005 4031 4033 4055
4060 4085 4090 4148 4156 4188 4189 4192 4213 4217
4262 4288 4293 4338 4395 4400 4417 4431 4457 4458
4527 4563 4621 4646 4651 4690 4724 4731 4733 4744
4756 4781 4798 4816 4843 4866 4939 4968 5000 5019
5033 5034 5045 5067 5095 5108 5123 5170 5179 5192
5234 5289 5323 5444 5482 5489 5506 5702 5713 5720
5721 5769 5785 5794 5848 5910 5967 5980 5984 5994
6003 6028 6040 6054 6072 6093 6106 6130 6132 6145
6202 6226 6227 6279 6281 6291 6354 6370 6381 6383
6399 6406 6414 6547 6571 6584 6613 6633 6695 6734
6762 6769 6787 6821 6827 6842 6850 6880 6983 6985
6994 7006 7014 7021 7038 7047 7058 7078 7129 7139
7178 7225 7236 7240 7301 7334 7372 7373 7381 7382
7422 7469 7481 7510 7532 7554 7580 7617 7629 7637
7641 7649 7662 7700 7805 7828 7867 7897 7906 7937
7949 7967 8008 8021 8023 8098 8109 8114 8160 8210
8213 8268 8281 8286 8287 8288 8311 8384 8401 8435
8438 8446 8474 8488 8495 8514 8541 8566 8609 8648
8649 8723 8724 8753 8755 8799 8901 8905 8923 8944
8968 9029 9045 9050 9058 9089 9169 9247 9277 9278
9304 9308 9317 9329 9345 9351 9431 9440 9447 9484
9501 9523 9525 9531 9547 9557 9573 9623 9630 9707
9720 9736 9766 9781 9805 9887 9919 9935 9958 9985
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES, GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

# स्थानीय को रोजगार

हरियाणा सरकार ने हार नहीं मानी है। प्रदेश सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए 75 फीसदी आरक्षण को स्थगित कर दिया था। यह कानून नवंबर में पास हुआ था और इस साल 15 जनवरी से लागू हुआ है। जब इस कानून का विधेयक विधानसभा में पेश हुआ, तभी से निजी क्षेत्र की कंपनियां और उनके संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। बाद में इन सभी ने इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी और बृहस्पतिवार को अदालत ने इस पर रोक लगा दी थी। हरियाणा सरकार इसके अगले ही दिन जिस तरह सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई, वह बताता है कि यह मामला उसकी प्राथमिकता सूची में कितना ऊपर है। उच्च न्यायालय से रोक का फैसला आते ही राज्य के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चैटाला ने ट्वीट करके इसका इरादा उसी समय जता दिया था। दुष्यंत चैटाला की जननायक जनता पार्टी ने अपने चुनाव घोषणापत्र में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने का वादा किया था। उनकी पार्टी भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार का दूसरा सबसे बड़ा घटक है।

यह पहली बार नहीं है, जब किसी राज्य में स्थानीय लोगों को इस तरह का आरक्षण देने का मामला उठा हो। ऐसी कोशिशें कई राज्यों में कई बार हुई हैं। 1995 में गुजरात सरकार ने ऐसा ही कानून बनाने की कोशिश की थी। महाराष्ट्र में शिव सेना के घोषणापत्र में भी रोजगार में स्थानीय लोगों को ही प्राथमिकता देने की बात होती रही है और वहां भी ऐसा कानून बनाने की कोशिशें हुई हैं। क्षेत्रीय दलों के लिए यह एक आसान राजनीतिक फॉर्मूला है। उन्हें लगता है कि स्थानीय लोगों को रोजगार देने की बात करके वे जनमत अपने पक्ष में करने में कामयाब हो जाएंगे। पर निजी क्षेत्र हमेशा ही ऐसी किसी भी पाबंदी का विरोध करता रहा है। किसे काम पर रखना है और किसे नहीं, इसे लेकर निजी उद्योग पूरी स्वतंत्रता चाहते हैं। इसमें सरकारी पाबंदियां उनके लिए कई तरह की परेशानियां खड़ी करती हैं। हालांकि, आमतौर पर निजी क्षेत्र की पहली प्राथमिकता स्थानीय लोग ही होते हैं, क्योंकि उसके लिए भी यह सुविधाजनक होता है। लेकिन उनका पहला मकसद यह होता है कि अधिक से अधिक ऐसे लोगों को रखा जाए, जो उसके काम के अनुकूल अधिकतम कुशलता रखते हैं। ऐसे पदों पर स्थानीयता ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं होती। यह सच है कि हरियाणा इस समय देश के उन राज्यों में से एक है, जहां बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा है। लेकिन इसे दूर करने का सबसे अच्छा तरीका क्या निजी क्षेत्र में आरक्षण ही है? अगर शिक्षा और कौशल विकास पर ध्यान दिया जाए, तो हरियाणा के बच्चों के लिए अपने राज्य में ही नहीं, दूसरे प्रदेशों में भी रोजगार के बहुत सारे रास्ते खुल सकते हैं।

अभी पता नहीं कि अदालतों में यह मामला कहां तक जाएगा। उच्च न्यायालय ने भी सिर्फ स्थगन ही दिया है, वहां से कोई अंतिम फैसला नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट में की गई अपील इसी स्थगन को खत्म कराने के लिए है। लेकिन यह उम्मीद तो की ही जानी चाहिए कि जब इस मामले में अंतिम फैसला आएगा, तो वह देश के उन अन्य राज्यों और क्षेत्रीय दलों के लिए भी नजीर बनेगा, जो स्थानीय लोगों को आरक्षण का वादा करके अपना कर्तव्य पूरा मान लेते हैं और रोजगार के मोर्चे पर ठोस काम या व्यवस्था नहीं करते।

## संपादकीय पृष्ठ

# चीन के चंगुल में पाकिस्तान

राजीव डोगरा

भारत में इन दिनों पाकिस्तान और चीन की दोस्ती की खूब चर्चा है। संसद के भीतर और बाहर, सभी जगह इस पर बातें हो रही हैं। इन दोनों देशों में हमेशा से ऐसी मित्रता नहीं थी, बल्कि शुरू-शुरू में तो उनमें खासा मनमुटाव था। इस बात के संकेत दो घटनाओं से मिलते हैं। पहली घटना 1950 के दशक की है, जब पाकिस्तान दक्षिण-पूर्व एशिया संधि संगठन (सिएटो) और केंद्रीय संधि संगठन (सेंटो) का सदस्य बना, जबकि ये दोनों संगठन कम्युनिस्ट शासन के खिलाफ थे, यानी चीन और रूस (तब सोवियत संघ) के खिलाफ। इसी तरह, एक अन्य घटनाक्रम में, जो उसी दशक का है, पाकिस्तान ने तिब्बती विद्रोहियों की मदद करने के लिए अमेरिका को अपना एयरबेस इस्तेमाल करने दिया था। तिब्बती अपनी आजादी के लिए चीन से लड़ रहे थे। जाहिर है, उस दौर में चीन पाकिस्तान को संदेह की नजरों से देखता था, क्योंकि उसके मुताबिक वह अमेरिकी खेमे में था।

हालांकि, इस मित्रता की चर्चा करते हुए हम हाल-फिलहाल के इतिहास को भी भूल जाते हैं। कारगिल युद्ध के समय चीन ने पाकिस्तान से नियंत्रण रेखा का सम्मान करने को कहा था। अगर कुछ और पीछे जाएं, तो 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सफल चीन यात्रा में ही वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति बनाने को लेकर सहमति बनी थी, जो कम से कम 2013 तक तो चली। तब यह भी समझौता हुआ था कि एलएसी के तनाव को दरकिनार करते हुए दोनों देश द्विपक्षीय रिश्ते को आगे बढ़ाएंगे। तब आखिर चीन और पाकिस्तान इतने करीब कैसे आए? दरअसल, 1971 में अमेरिका के तत्कालीन विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर ने पाकिस्तान का दौरा किया और वहां से वह बीजिंग गए थे, इसके अगले ही साल अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन का चीन दौरा हुआ। इसके दो संकेत मिले। पहला, पाकिस्तान को लगा कि अगर चीन के साथ उसके रिश्ते मजबूत होते हैं, तो अमेरिका को कोई ऐतराज नहीं होगा। और दूसरा, चीन को महसूस हुआ कि पाकिस्तान की मध्यस्थता से वाशिंगटन उसके करीब आया है और उसके यहां विदेशी निवेश की राह खुली है। फिर भी, चीन-पाकिस्तान इतने मित्रवत नहीं हैं, जितनी चर्चा हो रही है। यदि दोनों के दिल एक होते, तो पाकिस्तान को बीजिंग से कई अन्य राहतें मिल सकती थीं। जैसे, दो साल पहले तक फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ द्वारा ग्रे सूची में डाले जाने के खिलाफ जब पाकिस्तान हाथ-पांव मार रहा था, तब एफएटीएफ का अध्यक्ष चीन ही था। उसने उसके प्रति कोई दरियादिली नहीं दिखाई। इसी तरह, 2020 के आखिर में विदेशी मुद्रा भंडार की कमी के कारण जब पाकिस्तान को कर्जमाफी नहीं मिल रही थी, तब वह चीन की ओर मुड़ा था, पर वहां से भी उसे टका सा जवाब मिला।

साफ है, इस्लामाबाद के साथ दोस्ती में चीन अपना स्वार्थ देखता है। यही वजह है कि पाकिस्तान के जिन गिने-चुने थर्मल पावर प्लांट में उसने निवेश किए हैं, उसमें एक शर्त यह भी है कि इन संयंत्रों से 18 फीसदी मुनाफा चीन को मिलेगा, बेशक इनसे पाकिस्तान को नाममात्र की कमाई हो। यही नहीं, 2013 में आर्थिक गलियारे-सीपीईसी में चीन ने 60 अरब डॉलर निवेश का वादा किया था, पर अभी तक उसने 25 अरब डॉलर की रकम ही जारी की है, जिससे सड़कें और बिजली संयंत्र बने हैं। मगर इसका कोई खास फायदा पाकिस्तान को नहीं होने वाला, क्योंकि इन संयंत्रों से पैदा होने वाली बिजली व्यावसायिक उपयोग में नहीं लाई जाएगी और सड़कों का लाभ तभी मिलता है, जब आसपास उद्योग हों, और पाकिस्तान में इनका अभाव है। इसलिए यह कहना ज्यादा मुनासिब होगा कि पाकिस्तान अपनी गलतियों और नासमझी से चीनी कर्ज के जाल में फंसता जा रहा है।

स्थिति यह है कि साल 2013 में पाकिस्तान पर कुल वैश्विक कर्ज 44 अरब डॉलर था, जिसमें करीब चार अरब डॉलर (नौ प्रतिशत) चीन का कर्ज था। साल 2021 तक उसका कुल वैश्विक कर्ज 90 अरब डॉलर हो गया है, जिसमें अकेले चीन का हिस्सा करीब 24 अरब डॉलर, यानी 27 फीसदी है। जाहिर है, जब कोई देश कर्ज देता है, तब वह अपने हिसाब से अंकुश भी लगाता है। चीन भी पाकिस्तान पर हावी होने की कोशिश कर रहा है। मुश्किल यह है कि प्रधानमंत्री इमरान खान बड़बोलेपन के शिकार हैं। वह इस वादे के साथ सत्ता में आए थे कि पाकिस्तान दुनिया के आगे हाथ नहीं फैलाएगा। मगर साल 2018 में बहुत चिरौरीकरने पर उन्हें सऊदी अरब से तीन अरब डॉलर का अल्पकालिक कर्ज मिला, और जब इसे चुकाने की बारी आई, तब वह चीन के दरवाजे जा पहुंचे। इसके तीन साल बाद, 2021 में उन्होंने पाकिस्तान की खराब आर्थिक सेहत का सार्वजनिक रोना रोया। ऐसे बयानों से विदेशी निवेशक हतोत्साहित होते हैं। फिर, कर्ज देने वाले देश को यदि आपकी माली हालत का पता चल जाए, तो वह धन देने से पहले कई तरह के फायदे उठाने की कोशिश करता है। पाकिस्तान के साथ यही हो रहा है। इमरान खान इस समय चीन के दौरे पर हैं और पाकिस्तानी मीडिया का अनुमान है कि वह वहां छह अरब डॉलर का कर्ज लेने गए हैं, क्योंकि मुल्क का विदेशी मुद्रा भंडार अब इतना ही बचा है कि तीन महीने की जरूरतें पूरी हो सके। उधर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने इसे हर हाल में 21 अरब डॉलर करने को कहा है।

पाकिस्तान का यह आर्थिक जंजाल सीधे तौर पर भारत को लाभ नहीं पहुंचाएगा। उसकी अर्थव्यवस्था बेशक डूब जाए, लेकिन उसका रुख शायद ही बदलेगा। अस्थिरता तो उसका बुनियादी चरित्र है। आलम यह है कि वहां कभी भी फौजी जनरल प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति की कुरसी पर काबिज हो जाता है। अगर तख्तापलट सीधे तौर पर न हो सके, तो फौजी जनरल परदे के पीछे से शासन चलाते हैं, जैसे अभी इमरान खान को मुखौटा बनाकर वे कर रहे हैं।

अलबत्ता, पाकिस्तान में जब-जब सैन्य शासक आए हैं, भारत के साथ उसके रिश्ते सुधरे ही हैं। हां, चीन का दखल अगर वहां बढ़ता है, तो एकमात्र खतरा वही हो सकता है, जिसका अंदेशा भारतीय थलसेना प्रमुख ने जाहिर किया है। वह मानते हैं कि अगर तनाव बढ़ा, तो अब चीन और पाकिस्तान, दोनों मोर्चों पर हमें एक साथ लड़ना होगा। मगर फिलहाल इसके संकेत नहीं हैं।

# दल-बदल का खेल हुआ तेज

नीलांजन सरकार

पिछले महीने कांग्रेस के पूर्व सांसद आरपीएन (कुंवर रतनजीत प्रताप नारायण) सिंह दलबदल कर कांग्रेस की प्रतिद्वंद्वी पार्टी भाजपा में शामिल हो गए। आरपीएन सिंह साधारण कांग्रेसी नहीं थे। वह कांग्रेस के कई बार विधायक, केंद्रीय मंत्री तथा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके थे और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के करीबी माने जाते थे। वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में, खासकर पश्चिमी लोकतंत्र में एक बड़ी पार्टी के बेहद महत्वपूर्ण सदस्य का इसतरह दलबदल करना दुर्लभ है।

पर दलबदल भारत की राजनीतिक संस्कृति में इस तरह रच-बस गया है कि यह 'आयाराम-गयाराम' के रूप में जाना जाता है। पिछले पांच साल में 417 विधायकों या सांसदों ने (जो भारत में विधानमंडल की कुल 4,664 सीटों का नौ प्रतिशत है) दलबदल कर दोबारा चुनाव लड़े हैं। दलबदल की इतनी ऊंची दर ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे विकासशील लोकतंत्रों में भी देखी गई है। भारतीय राजनीति में पार्टी विधायकों और सदस्यों में स्थायित्व के इस अभाव को मैं कमजोर पार्टीगत जुड़ाव के रूप में देखता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौर में आर्थिक और राजनीतिक केंद्रीकरण की प्रवृत्ति पर बेशक कई विद्वानों ने ध्यान दिया है, पर मैं बताना चाहता हूं कि केंद्रीकरण की राजनीति कमजोर पार्टीगत जुड़ाव का स्वाभाविक नतीजा है और जो भारतीय राजनीति में बीमारी की तरह है। केंद्रीकरण की राजनीति के जरिये एक पार्टी के नेता और मतदाताओं में सीधा राजनीतिक संबंध बनाना दलबदल से मतदाताओं पर पड़ने वाले प्रतिकूल असर को कम करता है। भारत में क्षेत्रीय पार्टियों ने सबसे पहले इस तरह के राजनीतिक केंद्रीकरण को अंजाम दिया, और मोदी खुद गुजरात के सफलतम मुख्यमंत्री रह चुके हैं। इस तरह मौजूदा स्थिति भारत की केंद्रीय राजनीति के 'क्षेत्रीयकरण' को प्रतिबिंबित करती है-जो राष्ट्रीय राजनीति में क्षेत्रीय राजनीतिक प्रणाली की शुरुआत है।

कभी बेहद मजबूत रही कांग्रेस पार्टी 1990 के दशक में जब दरकने लगी, तब कई क्षेत्रीय पार्टियों ने चुनावी सफलता का परिचय दिया। वर्ष 1986 में राज्य स्तर पर एक विधायक के सामने जहां चार पार्टियों में जाने का विकल्प था, वहीं 1996 में राज्य स्तर पर दलों की संख्या बढ़कर आठ हो गई। जनता दल (सेक्युलर), जनता दल (यूनाइटेड), एनसीपी, राजद और तृणमूल कांग्रेस इनमें सबसे सफल नई क्षेत्रीय पार्टियां थीं। इन नई क्षेत्रीय पार्टियों में से कई 'पारिवारिक फर्म' की तरह हैं, जिसमें पार्टी पर उनके संस्थापकों और उनके परिवारों का ही नियंत्रण है।

जब कांग्रेस के कमजोर होने से भारतीय राजनीति को ज्यादा लोकतांत्रिक होना चाहिए था, तब इस राजनीतिक दुष्प्रवृत्ति की व्याख्या भला कैसे की जाए? जब संभावनाशील राजनेता कमजोर पार्टीगत जुड़ाव का परिचय देते हैं, तब नेताओं के दलबदल का खामियाजा नई पार्टियों को भुगतना पड़ता है। इसी कारण नई पार्टियां अलग-अलग नेताओं की लोकप्रियता के आधार पर आगे बढ़ने के बजाय केंद्रीकरण की राजनीति पर चलती हैं, जिससे कि पार्टी के मुख्य नेता और मतदाताओं के बीच सीधा रिश्ता बन जाए-जिससे कि पार्टी की स्वीकार्यता और उसके चुनावी प्रदर्शन पर दूसरे नेताओं का कम असर हो। इसके तहत वे अपने नेता की ईश्वरीय छवि बनाने के लिए राज्य के संसाधनों, पार्टी संगठन और मीडिया का भरपूर इस्तेमाल करती हैं।

राज्य स्तरीय चुनावों में तो यह प्रवृत्ति पहले से ही अस्तित्व में है, भाजपा और मोदी के केंद्रीय सत्ता में होने के कारण अब राष्ट्रीय राजनीति में भी यह प्रवृत्ति देखी जा रही है। इस राजनीतिक प्रणाली में पार्टी की लोकप्रियता उसके वादों और कामकाज के बजाय उसके नेता की छवि पर निर्भर करती है। इस तरह से देखें, तो राजनीतिक केंद्रीकरण उस राजनीतिक धारणा के विपरीत है, जिसमें देश के नागरिक आर्थिक स्थिति के लिए अपने जनप्रतिनिधियों को सीधे-सीधे जिम्मेदार ठहराते हैं। केंद्रीकरण की राजनीति में तकनीकी बदलाव ने बड़ी भूमिका निभाई है, जिसके तहत नागरिकों तक उनके लाभों का सीधे तकनीकी हस्तांतरण संभव हो गया है। वस्तुत: इस नई खूबी ने केंद्रीकरण की राजनीति को मजबूत बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है, जिसके तहत जनता के लिए शुरू की कई कल्याणकारी योजनाएं स्थानीय नेताओं के बजाय मुख्य पार्टी नेता के इर्द-गिर्द ही केंद्रित रहती हैं।

भारतीय संदर्भ में दो मुख्य नीतिगत एवं तकनीकी बदलावों के जरिये यह संभव हुआ है। पहला है आधार, और दूसरा है भारत के नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने वाले जन-धन खाते, जिनके जरिये सरकार अनेक सरकारी योजनाओं का धन सीधे नागरिकों के खातों में भेज सकती है। इस व्यवस्था ने मध्यस्थों और उन स्थानीय नेताओं को अप्रासंगिक बना दिया है, जो पहले नागरिकों को मिलने वाले सरकारी योजनाओं के लाभ का श्रेय खुद लेते थे। इसके अलावा विज्ञापनों, मीडिया प्रबंधन और पार्टी संगठन पर नियंत्रण के जरिये अपने नेता

की शानदार ब्रांडिंग की जाती है, नतीजतन कल्याणकारी योजनाओं को लक्षित नागरिकों तक पहुंचाने का उन्हें इतना श्रेय मिलता है, जितना पहले कभी नहीं मिलता था। पार्टी के टिकट केंद्रीकृत तरीके से बांटे जाते हैं और किसी प्रत्याशी का दोबारा मनोनयन भी पार्टी नेतृत्व पर निर्भर करता है।

इसका अर्थ यह है कि केंद्रीकृत राजनीति में, जिसमें आंतरिक लोकतंत्र नहीं होता, स्थानीय समीकरणों की उपेक्षा की जाती है और स्थानीय नेताओं को लंबे समय तक बर्दाश्त नहीं किया जाता।

वर्ष 2014 में जब मोदी सत्ता में आए, तब एक भाजपा सांसद को दोबारा टिकट दिए जाने की संभावना 53 फीसदी ही थी। सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 1977 से ही पहला चुनाव जीतने वाले विधायक 60 फीसदी होते रहे हैं, जबकि हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में पहला चुनाव जीतने वाले विधायकों का आंकड़ा लगभग 78 फीसदी था।

व्यापक अर्थ में केंद्रीकृत राजनीति एक नेता और एक पार्टी से अलग हटकर दरअसल एक ढांचागत प्रवृत्ति है, जो अब भारत में फल-फूल चुकी है।

## जम्मू के सांबा सेक्टर में बीएसएफ ने मारे 3 पाकिस्तानी तस्कर

जम्मू, 06 फरवरी (एजेन्सी)। जम्मू के सांबा सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर तीन पाकिस्तानी तस्करों को मारा गया है। उनके पास से नशीले पदार्थों के 36 पैकेट बरामद किए गए। ये जानकारी बीएसएफ ने रविवार को दी।

बीएसएफ ने कहा, 'तड़के सुबह 6 फरवरी को बीएसएफ जम्मू के सतर्क सैनिकों ने तीन पाकिस्तानी तस्करों को मार दिया है, जो सांबा अंतर्राष्ट्रीय सीमा के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी करने की कोशिश कर रहे थे।'

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कहा कि तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल कर दिया गया और उनके पास से नशीले पदार्थों के 36 पैकेट (लगभग 36 किलोग्राम) बरामद किए गए, जो हेरोइन के हो सकते हैं।

बीएसएफ ने कहा, 'इलाके की तलाशी जारी है।'

# समाज को चाहिए संविधान की शिक्षा

श्यौराज सिंह बेचैन

भारतीय समाज में राजनीतिक विकास की गति और चिंतन में निरंतर विकास और बदलाव हुए हैं, पर सामाजिक सुधारों में उतनी सकारात्मकता नहीं दिखाई पड़ रही। सामाजिक लोकतंत्र के बिना राजनीतिक लोकतंत्र भाईचारे में वृद्धि नहीं कर पा रहा। संविधान कानून के विद्यार्थियों या कोर्ट-कचहरी, खासकर शासन-प्रशासन के क्रिया कलापों तक सीमित है, जबकि समाज में जो कानून लोगों के व्यवहारों को संचालित करता है, वे रीति-रिवाज, प्रथाएं या परंपराएं हैं।

क्या गांवों में सांविधानिक मूल्यों से किसी का वास्ता है? क्या कहीं स्कूलों के पाठ्यक्रम में संविधान का सार पढ़ाया जाता है? सिर्फ राजनीतिशास्त्र या विधिशास्त्र के अध्येताओं के लिए ही नहीं, बल्कि जीवन शैली में सुधार की दृष्टि से हर विषय और हर अनुशासन को सांविधानिक शिक्षा का अनुशीलन करना अपेक्षित है। अशिक्षितों या अल्प शिक्षितों को भी संविधान की शिक्षा दी जानी चाहिए। इसके अभाव में अलोकतांत्रिक, सामंती और असभ्य आचरण देश के कई हिस्सों में दिखाई पड़ रहा है। गणतंत्र दिवस के समय ही राजस्थान के छड़ी गांव की खबर आई, जहां से दलित समाज के एक दूल्हे श्रीराम मेघवाल की घोड़ी पर चढ़कर बारात निकलने पर खुशी का माहौल था, क्योंकि उस गांव में पहली बार ऐसा हुआ। आजादी के इतने वर्षों के बाद एक दलित दूल्हे के घोड़ी पर बैठने पर समाज की खुशी क्या बताती है? मध्य प्रदेश के गनियारी गांव में तो पहली बार दलित दूल्हा घोड़ी पर चढ़ा, तो सवर्ण समाज के लोगों ने बारात पर हमला कर दिया। 30 जनवरी को राजस्थान में ही चुरू के एक गांव में एक दलित को लाठी और रस्सी से इतना पीटा गया कि वह बेहोश हो गया। मानवाधिकार आयोग ने घटना का संज्ञान लिया।

डॉ. आंबेडकर सामाजिक भेद-भाव, जाति-क्रूरता और धार्मिक अनुदारता के भुक्त-भोगी थे। उन्हें ऐसी आशंका थी, इसलिए संविधान की निर्माण-प्रक्रिया में वह समता, बंधुत्व और स्वतंत्रता के मूल्यों की बात कर रहे थे। क्या समाज सांविधानिक मूल्यों के अनुरूप विकसित हो रहा है? क्या हम सामाजिक दृष्टि से आदर्श लोकतंत्र में जी रहे हैं? सुभाष कश्यप कहते हैं, हमारे गणतंत्र के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती सांविधानिक निरक्षरता है। संविधान के बारे में लोगों में शिक्षा और चेतना का अभाव है। मैं समझता हूं कि सांविधानिक शिक्षा देश में अनिवार्य होनी चाहिए, ताकि लोग लोकतांत्रिक मूल्यों एवं नागरिक कर्तव्यों के बारे में जान सकें।...अगर संविधान के बारे में पता नहीं है, तो उसका पालन कैसे होगा? इसलिए चाहे कोई किसी भी शाखा की पढ़ाई करे, सबके लिए संविधान की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए।' इसमें इतना और जोड़ लेना चाहिए कि हर स्तर की प्रशासनिक सेवा में, स्कूल-कॉलेज की प्रवेश-परीक्षा में, टीचर्स, प्रोफेसर के प्रशिक्षण में सांविधानिक शिक्षा का एक प्रश्नपत्र पास करना अनिवार्य होना चाहिए। ग्राम सचिवों और प्रधानों को संविधान शिक्षा की परीक्षा पास करनी चाहिए। नहीं तो ग्रामीण समाज में सामंती अनुदारता बनी रहेगी।

विगत अक्तूबर में हनुमानगढ़ में दलित की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में दलित से प्रेम विवाह कर लेने वाली युवती को उसी के परिजनों ने फांसी पर लटका दिया। प्रशासन से अपेक्षा की जाती है कि वह सांविधानिक कानूनों का पालन करे, पर उत्तर प्रदेश की पुलिस की भूमिका तो हाथरस की दलित युवती की हत्या व बलात्कार के मामले में संदिग्ध रही, जहां परिवार की अनदेखी कर उसका दाह-संस्कार कर दिया गया था। विगत दिसंबर में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से खबर आई, 'पेशाब पीने पर मजबूर करने वाला दारोगा निलंबित।' जयपुर के कोटपूतली कस्बे में दलित दूल्हे के घोड़ी चढ़ने पर आपत्ति जताई गई और पुलिस की मौजूदगी में बारात पर पत्थर फेंके गए।

समाज के उच्च-वर्णीय सामंती मूल्य और लोकतांत्रिक सांविधानिक मूल्य रोजमर्रा के व्यावहारिक जीवन में तालमेल कम दिखाते हैं, टकराते अधिक नजर आते हैं। इसी कारण विगत नवंबर में उच्चतम न्यायालय को कहना पड़ा कि 'जाति से प्रेरित हिंसा की घटनाओं से पता चलता है कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी जातिवाद खत्म नहीं हुआ।' उत्तराखंड में चंपावत जिले के एक विद्यालय में भोजनमाता के बहिष्कार की कहानी की जड़ में यही जातिवाद था। उस स्कूल में छात्रों के लिए भोजन बनाने वाली सुनीता देवी को निचली जाति का बताकर कथित ऊंची जाति के छात्रों ने खाना खाने से मना किया। नतीजतन शिक्षा अधिकारी ने उस महिला को नौकरी से बाहर कर दिया था। उसकी प्रतिक्रिया में दलित छात्रों ने सामूहिक रूप से कहा कि 'हमें हमारी वही भोजनमाता चाहिए, हम किसी गैर-दलित रसोइए के हाथ का खाना नहीं खाएंगे।' मीडिया में मुद्दा उछला, सरकार के कान खड़े हुए और संविधान के अनुच्छेद 17 की याद आई। अंतत: सब जातियों के छात्रों को एक साथ बिठाकर दलित महिला का बनाया भोजन कराया गया। तमाम घटनाएं बताती हैं कि जो अस्पृश्यता संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 17 में समाप्त की, वह समाज को नहीं समझाई गई। स्कूलों के पाठ्यक्रम में समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के बारे में नहीं पढ़ाया गया। संविधान की शिक्षा के माध्यम से ही हम एक सभ्य राष्ट्र के रूप में संतुलित विकास कर सकते हैं।

# आशावादी बनिए

एडिसन की प्रयोगशाला एक अग्निकांड में पूरी तरह से जल कर ध्वस्त हो गई। उनके जीवन भर की शोध सामग्री और बहुमूल्य उपकरण सब खाक हो गए। आर्थिक क्षति भी बहुत हुई। यदि कोई सामान्य व्यक्ति होता तो उस हादसे से आसानी से उबर नहीं पाता, किंतु एडिसन ने कहा, इसमें हमारी भूलें भी जल कर नष्ट हो गई हैं। हमें ईश्वर का कृतज्ञ होना चाहिए, अब हम नए सिरे से जीवन को शुरू कर सकते हैं। इन सब के बीच व्यक्ति की जीवन यात्रा उत्थान की दिशा में बढ़ रही है या पतन की दिशा में, इसमें उस व्यक्ति के दृष्टिकोण की भूमिका सबसे बड़ी होती है।

## भाग्य को न कोसें

हम में से अधिकांश लोग ऐसी स्थिति में अपने दु:ख-दर्द एवं दुर्भाग्य के लिए भाग्य को कोसते हैं या फिर दूसरों को दोषी मानते हैं। और नहीं तो भगवान पर ही गुस्सा निकालने लगते हैं। एडिसन ने भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद किया। जैसे ही हमारा जीवन के प्रति दृष्टिकोण बदलने लगता है, तो स्थिति पलटने लगती है। आशा मनुष्य की सबसे बड़ी संपदा है।

**हमारे जीवन में प्रयास, पुरुषार्थ, अवरोध एवं संघर्ष का लगातार एक क्रम चलता रहता है। और ऐसे में सफलताएं भी मिलती हैं और विफलताएं भी। लेकिन अगर आप हमेशा आशावादी बने रहेंगे तो नित नई ऊंचाइयां प्राप्त करते रहेंगे।**

## आशा उत्साह की जननी

प्रेमचंद ने एक जगह लिखा है, आशा उत्साह की जननी है। उसमें तेज है, बल है, जीवन है। आशा ही संसार की संचालन शक्ति है। यदि व्यक्ति आशा खो बैठता है तो जीवन नैया डूबने लगती है। आशा घोर अभाव और संकट के बीच भी निर्माण के तत्वों की खोज करती है। वह आभासित अभिशाप को भी वरदान में बदल देती है। ठीक इसके उलट, निराशावादी दृष्टिकोण के कारण हम अनुकूल अवसरों में भी प्रतिकूलता देखने लगते हैं। एडिसन आशावादी था, उसने अनुकूल अवसर खोजकर अपने जीवन को नए सिरे से शुरू कर लिया।

## विफलता से मिलती है निराशा

इसलिए यदि घटनाएं हमारे अनुरूप नहीं घटतीं और हमें विफलता एवं निराशा का संदेश देती हैं, तो भी हिम्मत हारने एवं हताश होने की आवश्यकता नहीं। चाहे संघर्ष पथ पर हम गिर जाएं, पिट भी जाएं, तो भी यह नहीं भूलना चाहिए कि कोई भी असफलता अंतिम नहीं होती। यदि लक्ष्य के प्रति मन में लगन हो, तो विफलता भी गिर कर फिर से उठकर खड़े होने और दुगुने उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

## सफलताओं से सीखें

आशावादी व्यक्ति व्यावहारिक रुख अपनाते हुए अपने जीवन की छोटी - छोटी सफलताओं से क्रमश: आगे बढ़ता है। अपनी कार्यकुशलता और इच्छाशक्ति को क्रमश: विकसित करता जाता है। यह पद्धति रचनात्मकता का स्रोत बनकर उसे लगातार आगे बढ़ाती रहती है। निराशावादी व्यक्ति जहां एक दरवाजा बंद देखते ही अपना प्रयास छोड़ देता है, वहीं आशावादी व्यक्ति दूसरे खुले दरवाजों की तलाश में जुट जाता है। निराशावादी जहां सतत् हारता है, वहीं आशावादी अपनी तात्कालिक विफलताओं के बावजूद एक विजेता बन कर उभरता है। वास्तव में जब तक हम अपने जीवन के अर्थ एवं सुख की खोज के लिए बाहरी वस्तुओं, व्यक्तियों एवं परिस्थितियों पर निर्भर रहते हैं, तब तक निराशा का भाव भी बार-बार आता है। और जब दृष्टि अपने अंदर के मूल स्रोत की ओर मुड़ने लगती है, तो निराशा का कुहासा भी घटने लगता है।

## हिम्मत न हारें

यदि हम छोटी-छोटी असफलताओं और रुकावटों से हिम्मत हार बैठते हैं और नकारात्मक भावों को जीवन में हावी होने देते हैं, तो यात्रा का हर कदम दूभर एवं कष्टप्रद बन जाता है। जीवन एक दु:खद घटना एवं दुर्भाग्यपूर्ण मजाक लगने लगता है। हमारी ऊर्जा कुंठित होने लगती है।

## परमात्मा का वरदान

यहीं पर हमें परमात्मा की कृपा एवं वरदान की भाव भरी अनुभूति होती है। अपने ईमानदार प्रयास के साथ प्रभु प्रेम एवं उसके अचूक न्याय विधान के प्रति आस्था को धारण कर हम अनायास ही आस्तिकता एवं धार्मिकता के पथ पर बढ़ जाते हैं। वही हमें जीवन की सार्थकता के बोध की ओर ले चलती है।

**ज्यों ही कोई विज्ञान पूर्ण एकता तक पहुंच जाएगा, त्यों ही उसकी प्रगति रुक जाएगी क्योंकि तब वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। उदाहरणार्थ रसायनशास्त्र यदि एक बार उस मूल तत्त्व का पता लगा ले जिससे और सब द्रव्य बन सकते हैं तो फिर वह और आगे नहीं बढ़ेगा।**

# प्रकृति का दास नहीं मनुष्य

**भौतिकी** जब उस एक मूल शक्ति का पता लेगी, अन्य शक्तियां जिसकी अभिव्यक्ति हैं तब वह वहीं रुक जाएगी। वैसे ही धर्मशास्त्र भी उस समय पूर्णता को प्राप्त कर लेगा जब वह उसको खोज लेगा जो इस मृत्युलोक में एकमात्र जीवन है, जो इस परिवर्तनशील जगत का शाश्वत आधार है, जो एकमात्र परमात्मा है, अन्य सब आत्माएं जिसकी प्रतीयमान अभिव्यक्तियां हैं। इस प्रकार अनेकता और द्वैत में होते हुए इस परम अद्वैत की प्राप्ति होती है। धर्म इससे आगे नहीं जा सकता। यही समस्त विज्ञानों का चरम लक्ष्य है।

## धर्म का प्रारंभ

धर्म का प्रारम्भ कैसे हुआ और वह क्रमश- विकास द्वारा आध्यात्मिक अद्वैतवाद की इस सीमा तक कैसे पहुंचा? क्या इसके बाद विचार के विकास पर विराम चिह्न लगा देना सम्भव है? मनुष्य मननशील प्राणी है। उसका मस्तिष्क अन्य सभी प्राणियों की अपेक्षा अधिक उन्नत है और यह मस्तिष्क ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। जबकि दूसरे प्राणियों ने आत्मरक्षा की सहज प्रवृत्ति से अपने आप को प्रकृति के अनुरूप ढाला है और निरन्तर ढालता जा रहा है। मनुष्य प्रकृति का दास नहीं विजेता है। उसने अपनी विचार-शक्ति द्वारा आग, पानी, बिजली का प्रयोग करके, शस्त्र-यंत्र का आविष्कार करके और प्रकृति के नियमों की खोज लगाकर अपनी इस विजय को सम्भव बनाया। प्रकृति को बदलने में वह स्वयं भी बदला। अपने इस संघर्ष में ही वह पशु से मनुष्य, हैवान से इंसान बना।

## दैविक शक्ति का हाथ

मतलब है कि उसके निर्माण में किसी दैविक शक्ति का हाथ नहीं, बल्कि अपने इस संघर्ष के दौरान देव, दानव तथा ईश्वर आदि दैवी शक्तियों का निर्माण स्वयं उसने किया। सभी विचार भौतिक परिस्थितियों से उत्पन्न हुए, मनुष्य ने उन्हें व्यवहार की कसौटी पर परखा। उनके असार तत्त्व को त्याग कर सारतत्त्व को भौतिक शक्ति में परिणत किया तथा सिद्धान्तों का रूप दिया।

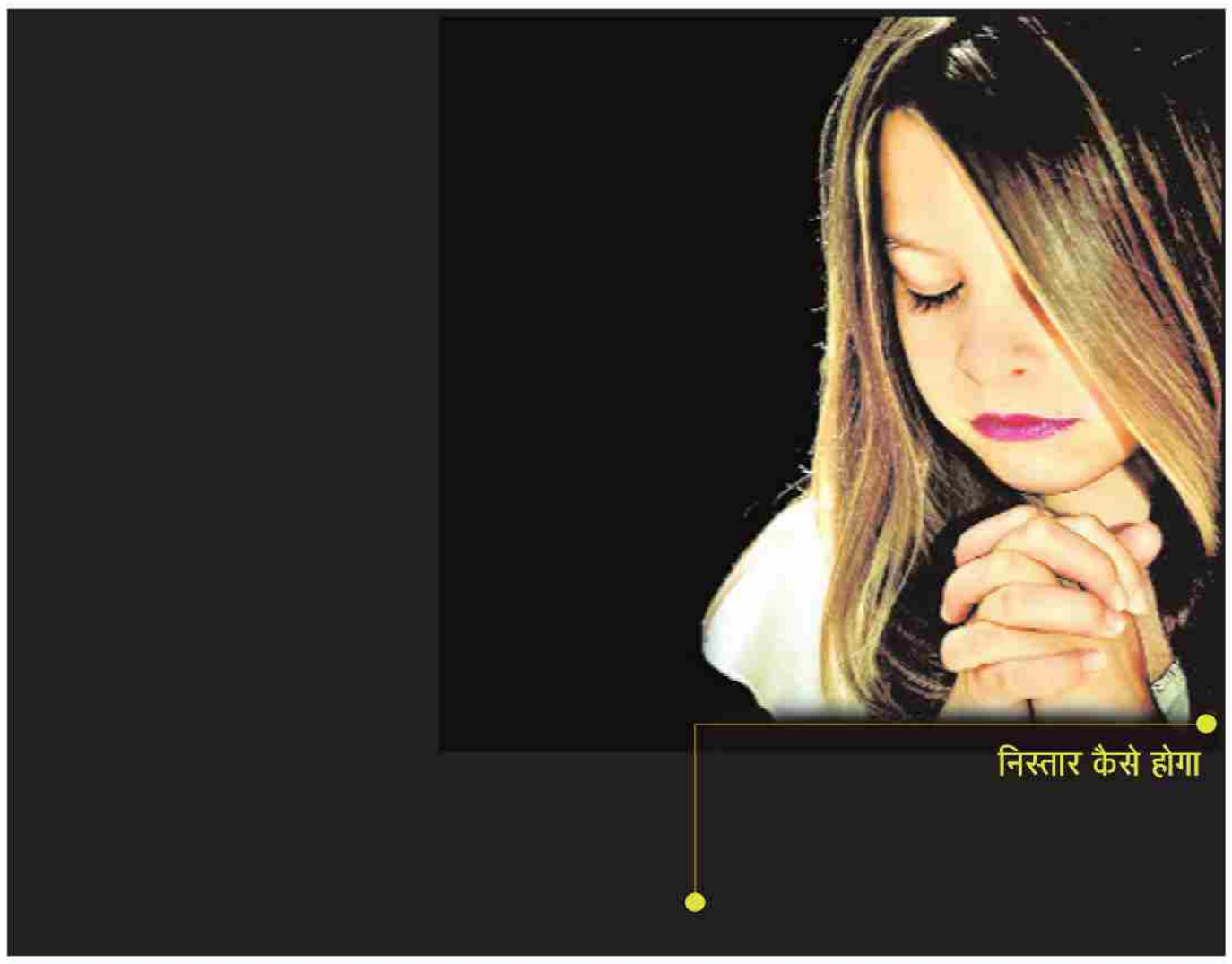


# बुद्धि नहीं हृदय की सुनिए

**तुम्हारा हृदय ही कहेगा। हृदय हमेशा कह देता है, मगर तुम सुनते नहीं हो हृदय की। तुम कहते हो, कैसे गुरु को पहचानें? क्या कसौटी है? बुद्धि कसौटी मांगती है, हृदय तत्क्षण कह देता है, हृदय की सुनो, बुद्धि को एक तरफ रख दो।**

**हृदय से** कभी भूल नहीं हुई है। हृदय ऐसे ही है, जैसे तुमने दिशासूचक-यंत्र, जो सदा बताता रहता है पूरब की ओर, सूरज उगने की ओर। हृदय सदा परमात्मा की तरफ इशारा करता है, मगर तुम हृदय नहीं बुद्धि की सुनते हो और बुद्धि की सुनने के कारण अक्सर भ्रांति में पड़ते हो। सच यह है कि जब तक बुद्धि की सुनते रहोगे, तब तक गुरु नहीं मिलेगा। जो मिलेंगे वे गुरु के धोखे होंगे। गुरु के धोखे बुद्धि को राजी कर लेंगे, क्योंकि गुरु के धोखे का मतलब होता है-जो तुम्हें राजी करने को ही बैठा है। तुम जैसा चाहते हो, वैसा बनकर बैठा है। सद्गुरु कभी भी तुम्हारी अभिलाषाओं, आकांक्षाओं, अपेक्षाओं के अनुकूल नहीं होता, हो ही नहीं सकता। नहीं तो जीसस को लोग सूली चढ़ाते? बुद्ध को पत्थर मारते? महावीर को गांव से खदेड़ कर निकालते? सुकरात को जहर पिलाते? यह मत सोचना कि वे सब लोग पागल थे। वे तुम्हारे ही जैसे लोग थे, तुम ही थे-जिन्होंने जीसस को सूली दी, सुकरात को जहर पिलाया, बुद्ध को पत्थर मारे, महावीर के कानों में सींखचे ठोक दिये। वे तुम से जरा भी भिन्न न थे। ऐसा नहीं है कि गुरुओं की पूजा उस दिन नहीं हो रही थी। जब बुद्ध को लोग पत्थर मार रहे थे, तब भी पंडित, पुजारी, पोंगापंथी पूजे जा रहे थे। जब जीसस को लोग सूली पर चढ़ा रहे थे, तब भी धर्मगुरु का सम्मान किया जा रहा था।

तुम्हारी बुद्धि जिससे राजी हो जाती है, वह अक्सर धोखा होता है। उसके पीछे कारण है, क्योंकि वह धोखे की पूरी तैयारी करता है। वह गुरु नहीं, गहरे अर्थ में सिर्फ राजनेता है। राजनेता की कला का सार यही है कि लोग जहां जाना चाहते हैं, वहां जल्दी से उचक कर उनके आगे हो जाता है।

लोग पूरब जा रहे हैं तो वह कहता है पूरब जाना है। लोग पश्चिम जाने लगें तो कहता है, मैं तो सदा कह रहा था कि पश्चिम जाना है और लोगों को समझ नहीं आ पाता कि वह हमारी नजरें परख रहा है, हमारे भाव परख रहा है, हवा का रुख परख रहा है। सद्गुरु तुम्हारे हिसाब से नहीं चल सकता,परमात्मा के हिसाब से चलता है। उसके साथ तो जिसे राजी होना हो, उसे ही राजी होना पड़ता है। वह तुम से राजी नहीं होता। समझ लेना, जो तुमसे राजी है, वह तुम्हें बदल नहीं पाएगा।

**कई बार ऐसा होता है कि ध्यान में जाने और मंत्रों के उच्चारण के बाद भी मन अन्य बातों की ओर भागता है।**

# मानसिक ऊर्जा का स्रोत

जैसे किराने की दुकान खुली या नहीं? या आज खाना कौन बनाएगा? पर जब आप खुद के साथ समय बिताने की आदत डाल लेंगे तो मंत्र आपकी मानसिक शक्ति और ऊर्जा को बढ़ाएंगे और उच्च संस्कारों का निर्माण होगा। आपको अपने मन को इसके अनुकूल बैठाना होगा। अनचाही चीजों के बारे में सोचते रहना मन का स्वभाव होता है। जब भी हम चिंता करते हैं तो हमारा शरीर काफी सारी ऊर्जा खो बैठता है।

## ऊर्जा मत खोओ

दो गलत तरह के मंत्रों का उपयोग करने से हम अपनी यह ऊर्जा खो बैठते हैं। पहला है आर्द, जिसका मतलब होता है बार-बार दु:खों को याद करते रहना। दूसरा है रौद्र, जिसका मतलब होता है गुस्से को आने देना। इनका परिणाम यह होता है कि शरीर बीमारियों का शिकार होने लगता है। अपने मन को आर्द और रौद्र से छुटकारा दिलाने के लिए अपनी आध्यात्मिक क्रिया जारी रखें, मंत्रों का उच्चारण करें और ध्यान में जाएं। महर्षि पातंजलि ने योगसूत्रों में कहा है- यदि स्तान संशय अतिरति प्रमाद आलस्य। बीमारी, उत्साह की कमी, शंका, चिंता आदि रुकावटों को दूर करने के लिए एक तत्व अभ्यास का प्रयोग करें। किसी भी एक मंत्र का उच्चारण करें, उस एक ध्वनि का, एक शब्दांश का लंबे समय तक अभ्यास करें।

## मन का विचार

तो जब मन में विचार और मंत्र दोनों चल रहे हों, आपका मन और चैतन्य मंत्रों से भरा होना चाहिए। तब मन चिंताओं से मुक्त हो जाता है क्योंकि एक मंत्र मे शक्ति के साथ-साथ एक खास स्पंदन भी होता है। जब उसका उच्चारण किया जाता है, तो वह ऊर्जा में बदल जाता है और आपके चैतन्य को भर देता है। जैसे-जैसे चैतन्य में यह ऊर्जा बढ़ती है, हम स्वयं के और करीब आ जाते हैं और हमारी हर चीज में- जैसे कि हमारे घर में, मन में शरीर और वातावरण में यह ऊर्जा और निश्चयात्मकता फैलती चली जाती है।

# बॉन्ड बाजार पर भारी रहा सप्ताह

## पांच वर्षों बाद बॉन्ड प्रतिफल में 20 आधार अंक का उछाल दर्ज

**नई दिल्ली ।** बॉन्ड बाजार के लिए यह सप्ताह निराश करने वाला रहा है। मंगलवार को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए पेश बजट के बाद से बॉन्ड पर प्रतिफल 20 आधार अंक उछल गया है। पिछले पांच वर्षों में बॉन्ड प्रतिफल में इतनी तेजी नहीं दर्ज की गई थी। 10 वर्ष की परिपक्वता अवधि वाली सरकारी प्रतिभूतियों पर प्रतिफल 6.88 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया।

इससे पहले कारोबार के दौरान प्रतिफल 6.96 प्रतिशत तक उछल गया था। हालांकि साप्ताहिक बॉन्ड नीलामी के बाद कारोबार के अंत में प्रतिफल थोड़ा नीचे आ गया। साप्ताहिक बॉन्ड नीलामी में भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ने बोलियां स्वीकार नहीं की। 10 वर्ष की अवधि के बॉन्ड पर प्रतिफल पिछले कारोबारी सत्र की तुलना में पांच प्रतिशत कम रहा। बजट में सरकार द्वारा भारी भरकम उधारी की घोषणा के बाद बॉन्ड पर प्रतिफल में तेजी आई है। वित्त वर्ष 2022-23 में सरकार 11.19 लाख करोड़ रुपए बॉन्ड जारी कर जुटाएगी। चालू वित्त वर्ष में सरकार की उधारी 7.76 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान

है। बजट पेश होने के बाद पिछले चार कारोबारी सत्रों के दौरान 10 वर्ष की परिपक्वता अवधि वाले बॉन्ड पर प्रतिफल 20 आधर अंक बढ़ चुका है। 2017 में बजट पेश होने के बाद किसी सप्ताह में बॉन्ड के प्रतिफल में आई यह सर्वाधिक तेजी रही है। आरबीआई ने साप्ताहिक बॉन्ड नीलामी में बोलियां स्वीकार नहीं की। ऐसा लगता है कि कारोबारियों ने ऊंचे प्रतिफल की मांग की होगी इसलिए केंद्रीय बैंक ने बॉन्ड के लिए बोलियां स्वीकार नहीं कीं। आरबीआई ने 2023 में परिपक्व होने वाले 2000 करोड़ रुपए मूल्य के बॉन्ड की बिक्री की। दूसरी तरफ 2051 में परिपक्व हो रहे बॉन्ड बेचकर केंद्रीय बैंक ने 8525 करोड़ रुपए जुटाए। मगर केंद्रीय बैंक ने 2026 और 2035 में परिपक्व हो रहे बॉन्ड बेचने से इनकार कर दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि आरबीआई बाजार को यह संकेत देना चाहता है कि प्रतिफल काफी तेजी से बढ़ा है मगर वह यह बढ़त सीमित करने के लिए पूरी तरह तैयार है और इसके लिए आवश्यक कदम उठाएगा। बाजार में कारोबारियों को लगता है कि बॉन्ड की कीमतों पर दबाव बना रहेगा।

### देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.531 अरब डॉलर घटा

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 4.531 अरब डॉलर घटकर 629.755 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 21 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 67.8 करोड़ डॉलर घटकर 634.287 अरब डॉलर रह गया था। जबकि तीन सितंबर, 2021 को समाप्त सप्ताह में यह रिकार्ड 642.453 के उच्च स्तर पर रहा था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 28 जनवरी को समाप्त समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आने की वजह कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में गिरावट आना है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, इस सप्ताह एफसीए 3.504 अरब डॉलर घटकर 566.077 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्रा के घट-बढ़ को भी शामिल किया जाता है। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 84.4 करोड़ डॉलर घटकर 39.493 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष आईएमएफ के पास विशेष आहरण अधिकार 14.1 करोड़ डॉलर घटकर 19.011 अरब डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में देश का मुद्रा भंडार भी 4.2 करोड़ डॉलर घटकर 5.174 अरब डॉलर रह गया।

# एलआईसी पॉलिसीधारकों के लिए खुशखबरी

## लैप्स हो चुकी बीमा पॉलिसी फिर सक्रिय करने का अभियान शुरू

**मुंबई ।** सार्वजानिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम एलआईसी ने लैप्स हो चुकी व्यक्तिगत बीमा पॉलिसी को फिर से सक्रिय करने के लिए एक अभियान शुरू किया है। एलआईसी ने शनिवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान लैप्स हो चुकी जिन पॉलिसी की परिपक्वता अवधि पूरी नहीं हुई है, उन्हें इस अभियान में फिर से चालू कराया जा सकता है। यह अभियान सात फरवरी को शुरू होकर 25 मार्च 2022 तक चलेगा। बीमा कंपनी ने कहा, कोविड-19 महामारी ने बीमा सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया है और यह अभियान एलआईसी के पॉलिसीधारकों के लिए अपनी पॉलिसी को फिर से सक्रिय करने का एक अच्छा अवसर है। एलआईसी ने कहा कि लैप्स हो चुकी पॉलिसी को फिर से सक्रिय करने पर लगने वाले शुल्क में छूट भी दी जा रही है। हालांकि टर्म प्लान एवं उच्च जोखिम वाली बीमा योजनाओं पर यह छूट नहीं मिलेगी। इसके अलावा पॉलिसी को फिर से सक्रिय करने के लिए जरूरी चिकित्सकीय रिपोर्ट में कोई राहत नहीं दी जाएगी। लेकिन स्वास्थ्य एवं सूक्ष्म बीमा योजनाओं में देरी से प्रीमियम चुकाने पर लगने वाले शुल्क में छूट मिलेगी। इस अभियान के तहत पांच साल से प्रीमियम भुगतान नहीं की गई पॉलिसी को भी सक्रिय किया जा सकता है।

# जेट को उड़ाने की तैयारी

### परिचालन जल्द दोबारा शुरू होने की उम्मीद

**नई दिल्ली।** संयुक्त अरब अमीरात के कारोबारी मुरारी लाल जालान और ब्रिटेन के निजी इक्विटी फंड कैलरॉक कैपिटल का कंसोर्टियम जेट एयरवेज का परिचालन दोबारा शुरू करने के लिए पुरजोर कोशिश कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि परिचालन सुचारू होने से पहले के खर्च के लिए वित्तपोषण के मुद्दे पर कुछ मतभेद होने के बावजूद विमानन कंपनी को उड़ाने की तैयारी जोरशोर से चल रही है। विमानन कंपनी ने अपने हवाई ऑपरेटर प्रमाण पत्र के नवीनीकरण के लिए जनवरी के अंतिम सप्ताह में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय डीजीसीए के समक्ष आवेदन किया है। विमानन नियामक उड़ान के परिचालन के लिए इस विमानन

कंपनी की तैयारियों का निरीक्षण संभवतः इस महीने के मध्य में करेगा। उसके बाद विमानन कंपनी को परीक्षण के तौर पर उड़ान भरने के लिए कहा जाएगा ताकि सुरक्षित उड़ान भरने के लिए नियमों के अनुपालन के साथ उसकी क्षमता का प्रदर्शन हो सके। इस प्रक्रिया में शामिल एक व्यक्ति ने कहा, डीजीसीएस सभी दस्तावेजों और मैनुअल का मूल्यांकन करेगा। साथ ही वह संभवतः 14 से 17 फरवरी के बीच प्रबंधन क्षमताओं का आकलन करने के लिए निरीक्षण करेगा। उसके बाद फरवरी के आखिरी सप्ताह तक के तौर पर परीक्षण उड़ान भरा जाएगा। यदि सभी प्रक्रिया निर्धारित समय से पूरी हुई तो विमानन कंपनी को 15 मार्च तक लाइसेंस वापस मिलने की उम्मीद है। कार्यान्वयन की प्रभावी तिथि को दो बार बढ़ाकर 22 मार्च कर दिया गया है। यदि कंसोर्टियम नियामकीय मंजूरियां हासिल करने में विफल रहती है तो समाधान योजना स्वतः समाप्त हो जाएगी। जेट एयरवेज का परिचालन वित्तीय कारणों से बंद हुआ था न कि सुरक्षा अथवा तकनीकी कारणों से। इसलिए दोबारा लाइसेंस मिलने की प्रक्रिया तेजी से पूरी हो जाएगी।

## बजट से स्थिरता देने का लक्ष्य

**नई दिल्ली ।** केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री भागवत किशनराव कराड ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में देश को स्थायित्व देने के साथ ही विभिन्न तबकों को समर्थन देने का लक्ष्य रखा गया है। कराड ने कहा, अगर हम अपने देश की अर्थव्यवस्था को विकसित करना चाहते हैं तो हमें आम आदमी तक पहुंचना होगा और आम आदमी को भी वित्त के बारे में जानना चाहिए। कराड ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में कामकाज को सुगम करने के लिए इस क्षेत्र में कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, दो दिन पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बजट पेश किया था। आप देखें कि यह बजट देश को स्थिरता देने वाला है और अलग श्रेणियों में कई योजनाएं लाई गई हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022-47 तक के 25 वर्षों की अवधि को अमृत काल घोषित किया गया है जो भारत के विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

# पेटीएम की हालत आमदनी अठन्नी खर्चा रुपया जैसी

### दोनों हाथ से पैसे बटोरने के बावजूद बढ़ता ही जा रहा घाटा

**नई दिल्ली ।** देश की सबसे चर्चित मोबाइल वॉलेट और पेमेंट बैंक कंपनी पेटीएम से जुड़ी एक और बुरी खबर आई है।

31 दिसंबर को खत्म हुई तिमाही में भी पेटीएम का घाटा बढ़कर 778 करोड़ रुपए हो गया है। वैसे तो आपको हर गली-चौराहे से लेकर बड़े-बड़े मॉल्स तक की दुकानों में आपको पेटीएम के क्यूआर कोड लगे मिल जाएंगे, लेकिन कंपनी अभी तक फायदा नहीं कमा पा रही है। पिछले कई सालों से कंपनी को सिर्फ नुकसान हो रहा है। इसका आईपीओ 2150 रुपए का था, जो पहले ही दिन डिस्काउंट पर लिस्ट हुआ और गिरते-गिरते उसकी कीमत आधे से भी कम हो गई है। दिसंबर 2021 को खत्म हुई तिमाही में पेटीएम का रेवेन्यू करीब 89 फीसदी बढ़कर 1456 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं दूसरी ओर कंपनी का नुकसान बढ़कर 778 करोड़ रुपए हो गया है। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी का नुकसान 532 करोड़ रुपए था। वहीं सितंबर 2021 में कंपनी का नुकसान 482 करोड़ रुपए था। कंपनी की हर बार फायदे में आने की उम्मीद तो कर रही है, लेकिन सिर्फ नुकसान झेल रही है। वित्त वर्ष 2021 में पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने 1701 करोड़ रुपए का नुकसान दर्ज किया है। ये लगातार आठवां साल है, जब कंपनी को नुकसान हुआ है।

**बाजार समीक्षा** तेल-तिलहन पर केंद्र सरकार ने निर्धारित की स्टॉक सीमा

# उत्पादक राज्यों पर होगा विपरीत असर

**इंदौर।** केंद्र सरकार द्वारा खाद्य तेल-तिलहन पर देशभर में स्टॉक सीमा लाद दी है। इससे बाजारों में खलबली मची है। जानकारों के अनुसार केंद्र द्वारा स्टॉक लिमिट निर्धारण राज्य सरकारों को विश्वास में लिए बिना लागू की गई है। जिससे जिन राज्यों में पैदावार ज्यादा होती है, उनमें बहुत मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी, क्योंकि नई सरसों बाजार में आने के समय स्टॉक सीमा लागू होने से व्यापारी किसानों से खरीद नहीं पाएगा एवं किसानों को बेचने के लिए दरबदर भटकना पड़ेगा। वहीं व्यापारियों भी लाइसेंसी राज आने से प्रताड़ित होगा, साथ ही भ्रष्टाचार बढ़ेगा।

अखिल भारतीय खाद्य व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठक्कर ने कहा देश में खपत का 65 फीसदी से ज्यादा खाद्य तेल आयात होता है। ऐसे में स्टॉक सीमा का कोई औचित्य नहीं है। देश में सिर्फ 35 फीसदी के करीब उत्पादन होता ह। लिहाजा, तेल के दामों पर विदेशी ताकतों के हाथों में लगाम होने से दाम उन्हीं द्वारा तय होंगे। विश्व में सोयाबीन के बड़े उत्पादक ब्राजील, अर्जेंटीना मैं ला-नीनो के असर से मौसम सूखा है। लिहाजा, उत्पादन कमी के अंदेशे से भाव काफी बढ़ रहे है, सूर्यमुखी तेल के बड़े उत्पादक रशिया और यूक्रेन के बीच तनाव और युद्ध के हालात से निर्यात कम हो रहा हैं, इससे विदेशी बाजार में तेल के दाम आग उगल रहें है। ऐसे में स्टॉक सीमा लगाने से दामों पर अंकुश की कोई गुंजाइश नहीं दिख रही है।महामंत्री तरुण जैन ने कहा हम केंद्र से तेल-तिलहन पर जीएसटी हटाने की मांग कर रहे है, यह हटे तो 5 फीसदी दाम घट सकते है। पूर्व में स्टॉक सीमा होलसेलर्स के लिए 1000 क्विंटल थी, अब घटकर 500 क्विंटल कर दी है। शहरों में 10 से अधिक तरह के तेलों की मांग होती है, एक टैंकर 20 टन की मात्रा का कम से कम होता है। सरकार इस आदेश पर पुनर्विचार करें।

### तेल-तिलहन की कीमतों में तेजी का दौर बरकरार

**इंदौर।** तेल-तिलहन पर स्टॉक सीमा तय किए जाने का कोई खास असर दिखाई नहीं दे रहा है। वैश्विक दाम ऊंचे होने से फिलहाल मंदी के आसार नजर नहीं आ रहे है। शनिवार को तेल-तिलहनों में तेजी बरकरार थी। बसंत पंचमी के कारण तमाम मंडिया बंद होने से तिलहनों की आवक सीमित थी। देश में सोयाबीन आवक मात्र 85 हजार व सरसों की आवक 1.05 लाख बोरी हुई। जयपुर में तेल कंडीशन आधारित सरसों घटकर 7820-7850 रु रह गई,जबकि सोयाबीन में तेजी के चलते दाम प्लांट सौदों में धानुका 6510, रुचि 6525, अंबिका 6450, प्रेस्टीज 6550, एमएस पचोर 6650, लिविंग फूड्स 6525, अमृत 6650 रु क्विंटल थे। खाद्य तेल प्रति 10 किलो सोया रिफाइंड 1295-1305, साल्वेंट 1250-1255, मुंबई रिफाइंड 1290-1295, मूंगफली तेल 1330-1350, मुंबई 1340, गुजरात 1300, पाम तेल मुंबई 1240-1242, इंदौर 1320-1321, कपास्या तेल 1260-1265 रुपए के भाव थे। **कपास्या खली-** प्रति 60 किलो इंदौर 2150, देवास-उज्जैन 2155, खंडवा-बुरहानपुर 2125-2130, अकोला 3225 रु क्विंटल थी।

### कीट प्रकोप से मिर्च फसल को भारी नुकसान

**नई दिल्ली।** केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने गत दिवस संसद में सूचित किया कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कीटों के प्रकोप के कारण मिर्च की फसल को 40से लेकर 80 प्रतिशत के लगभग भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने राज्यसभा में कहा कि नुकसान का आकलन, पौध संरक्षण, क्वारनटाइन और भंडारण निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के प्रदेश कृषि-बागवानी विश्वविद्यालय और राज्य बागवानी विभाग के विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा एक संयुक्त सर्वेक्षण में किया गया था। गौरतलब है कि प्रमुख राज्यों में मिर्च फसल को क्षति होने से कीमतों का भविष्य भारी तेजीसूचक आंका जा रहा है।

# बजट से बढ़ेगी सीमेंट की मांग

### आधारभूत ढांचा विकास में जोर का रहेगा असर

**नई दिल्ली ।** आधारभूत ढांचा विकास और पूंजीगत व्यय को बढ़ाये जाने के संबंध में बजट में किये प्रावधान सीमेंट की मांग को तेज करेंगे। इंडियन रेटिंग एंड रिसर्च के मुताबिक बजट 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय आवंटन किया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को दिये अपने बजट भाषण में पूंजीगत व्यय में 35 प्रतिशत से अधिक की बढ़त की घोषणा की। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि वित्त वर्ष 22 की तुलना में पूंजीगत व्यय के आवंटन में की गई बढ़त से आधारभूत ढांचा क्षेत्र का विकास होगा, जिससे सीमेंट की मांग में तेजी आयेगी। इसके अलावा रोजगार सृजन पर भी इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा, जिससे मांग और बढ़ेगी। शहरी व्यय को बढ़ाने के लिए वित्तवर्ष 22 में अनुमानित व्यय में 53 प्रतिशत की वृद्धि से इस क्षेत्र में सीमेंट की मांग बढ़ी। मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक फैसिलिटी के लिए अगले तीन साल में करीब 100 गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल बनाया जाना है। एजेंसी के मुताबिक आवास क्षेत्र की सीमेंट की मांग कुल सीमेंट मांग की करीब 65 प्रतिशत है और सरकार की किफायती आवास योजना पर लगातार जोर देने से सीमेंट की मांग को समर्थन मिलेगा। सरकार ने प्रधानमंत्री किफायती आवास योजना के तहत 80 लाख घरों को बनाने के लिए 480 अरब रुपए आवंटित किये हैं। सीमेंट की मांग बीते कुछ साल से सबसे अधिक आवास क्षेत्र में बढ़ी है और खासकर निजी आवास बनाने वालों पर कोरोना संकट का असर कम दिखा है।

## पीएनबी ने दिया ग्राहकों को झटका

**नई दिल्ली ।** देश के दूसरे सबसे बड़े बैंक पंजाब नेशनल बैंक, पीएनबी ने अकाउंट होल्डर्स को झटका दिया है। बैंक ने सेविंग्स अकाउंट की ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला किया है। बैंक ने सेविंग्स अकाउंट की ब्याज दरों को सालाना 2.80 से घटाकर 2.75 फीसदी करने का फैसला किया है। नई दरें लागू हो गई हैं। सेविंग्स अकाउंट में 10 लाख रुपए से कम सेविंग्स अकाउंट बैलेंस के लिए सालाना ब्याज दर 2.75 फीसदी हो गई है। वहीं, 10 लाख रुपए और इससे ज्यादा के लिए सालाना ब्याज दर 2.80 फीसदी हो गई। इससे पहले जमा पर 2.85 फीसदी सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इससे पहले बैंक ने एक दिसंबर को बचत खाते पर ब्याज दर में कटौती की थी। पीएनबी और पतंजलि आयुर्वेद ने नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया एनपीसीआई के साथ मिलकर को-ब्रांडेड कॉन्टैक्टलेस क्रेडिट कार्ड लॉन्च किए हैं। ये क्रेडिट कार्ड एनसीपीआई के रुपे प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। इससे पहले बैंक ने 1 फरवरी से कुछ नियमों में बदलाव किया था। दरअसल, अब अगर आपके अकाउंट में पैसे न होने के कारण किस्त या निवेश फेल हो जाती है तो आपको 250 रुपए पेनल?टी चुकानी होगी। अभी तक ये पेनाल्टी 100 रुपए थी।

# अमेजन की एक दिन में रिकॉर्ड कमाई

### अमेजन ने कमाए 190 अरब डॉलर, तोड़ा एपल का रिकॉर्ड

**नई दिल्ली ।** अमेरिकी शेयर बाजार में पिछले दो दिन में दो रिकॉर्ड बने। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा का मार्केट कैप में 200 अरब डॉलर गिर गया। यह किसी अमेरिकी कंपनी के मार्केट कैप में एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट थी। इसके एक दिन बाद शुक्रवार को भी इतिहास बना। अमेजन का मार्केट कैप 190 अरब डॉलर बढ़ गया। यह किसी अमेरिकी कंपनी के मार्केट कैप में एक दिन में सबसे बड़ी उछाल है। ऑनलाइन रिटेल और क्लाउड कंप्यूटिंग कंपनी अमेजन के शेयरों में शुक्रवार को 13.5 अरब डॉलर की उछाल आई। इससे कंपनी का मार्केट कैप 190 अरब डॉलर उछल गया। यह किसी अमेरिकी कंपनी के मार्केट कैप में एक दिन में सबसे बड़ी उछाल है। इससे पहले यह रिकॉर्ड दिग्गज टेक कंपनी एपल इंक के नाम था जिसका मार्केट कैप 28 जनवरी को 181 अरब डॉलर उछला था। अमेजन का मार्केट कैप अब 1.6 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गया है। इससे कंपनी के फाउंडर जेफबेजोस की नेटवर्थ में भी 18 अरब डॉलर से ज्यादा उछाल आई। इससे एक दिन पहले यानी गुरुवार को फेसबुक के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। 2012 में अमेरिका बाजार में लिस्ट हुई थी और उसके बाद से यह कंपनी के शेयरों में सबसे बड़ी एक दिनी गिरावट है। हाल में फेसबुक का नाम बदलकर मेटा किया गया था। इस गिरावट से मेटा के मार्केट कैप में 200 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इससे पहले तीन सितंबर 2020 को एपल के मार्केट कैप में करीब 180 अरब डॉलर की गिरावट आई थी।

# 2025 तक एथेनॉल मिश्रण का 20 फीसदी लक्ष्य पूर्ण होने की आशा

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार एथेनॉल को बढावा देने के लिए तमाम कदम उठा रही है, साथ ही उनको बहुत अच्छी प्रतिक्रिया भी मिल रही है। केंद्र सरकार को अब पूरा विश्वास है की एथेनॉल मिश्रण का 20 फीसदी का लक्ष्य 2025 तक सुगमता से हासिल किया जा सकेगा।

तेलमंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा किए भारत ने अब तक पेट्रोल में 9 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण हासिल कर लिया है। मौजूदा परिस्थिति के देखते हुए वर्ष 2025 तक हमें 20 फीसदी का लक्ष्य को पूरा करने का पूर्ण विश्वास है। उन्होंने कहा, जनवरी में हम पहले ही 9 प्रतिशत मिश्रण का आंकड़ा आसानी से पार कर चुके हैं। हमें विश्वास है कि अब और 2025 के बीच की अवधि में 9 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक एथेनॉल मिश्रण लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। पिछले साल, सरकार ने अपने पिछले लक्ष्य से पांच साल पहले 2025 तक पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत एथेनॉल सम्मिश्रण हासिल करने का लक्ष्य आगे बढ़ाया, ताकि महंगे तेल आयात पर इसकी निर्भरता को कम करने में मदद मिल सके। केंद्र सरकार ने 2022 में 10 प्रतिशत एथेनॉल सम्मिश्रण तक पहुँचने के प्रयास शुरू कर दिए है। सरकार ने इसके लिए आम बजट में सकारात्मकता दर्शा है। जिसका असर आने वाले समय में निश्चित रुप से दिखाई देने लगेगा। सरकार के इस कदम से देश में ईंधन आयात में कमी आने पर बड़ी मात्रा में विदेशी खर्च पर लगाम लगेगी। आशा है की परिणाम बेहतर होंगे।

## सरसों की रिकॉर्ड फसल की उम्मीद

**इंदौर।** रबी तिलहनों की फसल बुआई में भारी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसके तहत सरसों का रकबा 91.63 लाख हेक्टेयर पहुंच चुका है, जो पिछले साल इस समय तक केवल 73.12 लाख हेक्टेयर था। रबी तिलहन का कुल रकबा गतवर्ष के 83.69 लाख से बढ़कर 102.79 लाख हक्टेयर हो चुका है। कृषि विश्लेषकों का मानना है कि अगर आने वाले दिनों में मौसम अनुकूल रहा तो देश में सरसों की पैदावार 110-115 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकती है। वहीं रबी तिलहन उत्पादन में वृद्धि होगी। राजस्थान में नई सरसों की छिटपुट आवकों का सिलसिला आरंभ हो चुका है। जो आने वाले 15-20 दिनों में बड़ी मात्रा में आने लगेगी। रबी तिलहन की अन्य फसल के आंकड़ो पर गौर करे तो मूंगफली की बुआई पिछले साल के 5.18 लाख से बढ़कर 5.27 लाख हेक्टे. हो चुकी है। वहीं अरंडी की बुआई 2.80 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 2.95 लाख हेक्टेयर पहुंच गई है।

# बजट की घोषणाओं से महंगाई नहीं घटेगी

### मध्यम वर्ग को कोई राहत नहीं

**नई दिल्ली ।** देश के 44.1 प्रतिशत लोगों का मानना है कि एक फरवरी को संसद में पेश किये बजट से वस्तुओं के दाम में कोई गिरावट नहीं आयेगी। सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, बजट के कारण महंगाई में कमी आने के संबंध में पूछे गये सवाल पर 44.1 प्रतिशत लोगों ने कहा कि इससे महंगाई में कोई कमी नहीं आयेगी, 26.7 प्रतिशत ने कहा कि चीजों के दाम में हल्की गिरावट आयेगी जबकि 22.6 प्रतिशत ने दामों में भारी गिरावट आने की बात की। देश के 46.6 प्रतिशत लोगों का कहना है कि बीते एक साल में उनके जीवन की गुणवत्ता घटी है।

आईएएनएस-सीवोटर ने संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बजट पेश किये जाने के बाद बजट पर लोगों की प्रतिक्रिया जानने के लिए सर्वेक्षण किया। मॉर्निंगस्टार इनवेस्टमेंट एडवाइजर इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि केंद्रीय बजट में आयकर में किसी प्रकार की छूट नहीं दी गयी जिससे कोरोना संकट के दौर में कम आय और बढ़ती महंगाई से जूझ रहे मध्यम वर्ग को कोई राहत नहीं मिली। बजट में निजी उपभोग क्षमता को बढ़ाये जाने के उपाय भी सीमित रहे। आयकर में राहत और मनरेगा के आवंटन में बढ़ोतरी से निजी उपभोग क्षमता पर तत्काल सकारात्मक प्रभाव पड़ता। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में आर्थिक पहलू पर अधिक जोर दिया। उनका ध्यान विकास और नयी पीढ़ी के क्षेत्र कहे जाने वाले फिन टेक, स्टार्टअप, क्रिप्टो करेंसी, डिजिटल रुपया, ड्रोन, सौर ऊर्जा और प्रौद्योगिकी पर रहा।

### बजट से सौर उपकरण निर्माताओं को लाभ

**नई दिल्ली।** केंद्रीय बजट में किये गये प्रावधानों से घरेलू सौर उपकरण निर्माताओं को लाभ होने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सोलर मॉड्यूल निर्माण के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन पीएलआई के तहत अतिरिक्त वित्तीय आवंटन जैसे प्रावधानों से इस क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। रिपोर्ट के अनुसार, अपना सोलर पीवी मॉड्यूल स्थापित करने के लिए इच्छुक टाटा पावर, एलएंडटी, अडानी इंटरप्राइजेज और कोल इंडिया जैसी कंपनियों को इस प्रावधान से लाभ मिलने की उम्मीद है। घरेलू निर्माण क्षमता को वर्ष 2030 तक 280 गीगावाट के महत्वाकांक्षी लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए पीएलआई योजना के तहत 19500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त आवंटन किया गया है। इसके अलावा सोलर बैट्री पर लगने वाली सेफगार्ड ड्यूटी को हटाकर उसकी जगह सीमा शुल्क को 20 से 25 प्रतिशत करने तथा सोलर मॉड्यूल पर सीमा शुल्क को 20 से 40 प्रतिशत करने से घरेलू सौर उपकरण निर्माताओं को लाभ होने होने की उम्मीद है।

## कॉग्निजेंट 50 हजार फ्रेशर्स को देगी नौकरी

**मुंबई।** अमेरिका की सूचना एवं प्रौद्योगिकी आईटी सेवा देने वाली कॉग्निजेंट जनवरी से दिसंबर 2022 में भारत से 50000 फ्रेशर्स को हायर करने की योजना बनाई है। इतनी बड़ी भर्ती कंपनी पहली बार कर रही है। अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक में लिस्टेड इस कंपनी ने साल 2021 में भारत में रिकॉर्ड तोड़ 33000 फ्रेशर्स की भर्ती की थी। हालांकि कंपनी छोड़कर जाने वालों कर्मचारियों की संख्या भी इस इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा इसी की है। पिछले साल की चौथी तिमाही में इसके 33 फीसदी कर्मचारियों ने नौकरी छोड़ी थी। इसके उलट अन्य आईटी कंपनियों में कम कर्मचारियों ने नौकरी छोड़ी है। इंफोसिस के 25.5 फीसदी, विप्रो के 22.7 फीसदी, टेक महिंद्रा के 24 फीसदी, टीसीएस के 15.3 फीसदी और एचसीएल टेक के 19.8 फीसदी कर्मचारियों ने दिसंबर तिमाही में नौकरी छोड़ी थी। कॉग्निजेंट इंडिया के चेयरमैन राजेश नांबियार ने कहा कि एक तरफ इस इंडस्ट्री में दिसंबर तिमाही में ज्यादा कर्मचारियों ने नौकरी छोड़ी है, पर हम तिमाही के आधार पर इसमें थोड़ी राहत पाने में कामयाब रहे हैं।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप

# भारतीय टीम ने इंग्लैंड को हराकर पांचवीं बार जीता अंडर-19 विश्वकप

## दिनेश ने छक्का लगाकर दिलायी जीत, राज बने मैन ऑफ द मैच

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)।

भारतीय जूनियर क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को 4 विकेट से हराकर पांचवीं बार अंडर-19 विश्वकप खिताब जीता है। भारतीय टीम की जीत में राज बावा , शेख रशीद और निशांत सिंधु की अहम भूमिका रही। राज ने 5 विकेट लेने के साथ ही तेजी से 35 रन भी बनाये। वहीं रशीद और निशांत ने अर्धशतक लगाये। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 44.5 ओवरों में 189 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को 48.4 ओवरों में ही 6 विकेट पर 195 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस मैच में दिनेश ने छक्का लगाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी। दिनेश ने कुल 13 रन बनाये

इस मैच में जीत के लिए 190 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी शून्य पर ही आउट हो गये। उन्हें पहले ही ओवर में जोशुआ बॉडेन की गेंद पर एलेक्स के कैच किया। इसके बाद हरनूर सिंह और शेख रशीद ने टीम को संभाला पर हरनूर 21 रन बनाकर आउट हो गए। यहां से उपकप्तान शेख और कप्तान यश ढुल ने स्कोर आगे बढ़ाया। शेख ने 84 गेंदों में 6 चौके की मदद से 50 रनों की पारी खेली। बाद सेलेस ने कप्तान यश को 17 रनों पर भारत को चौथा झटका दे दिया। अब स्कोर 97 रन पर 4 विकेट हो गया। यहां से राज बावा और निशांत सिंधु ने 88 गेंदों में 67 रनों की साझेदारी करते हुए भारत को जीत के करीब पहुंचा दिया।

43वें ओवर में जोशुआ बॉडेन ने टॉम प्रेस्ट के हाथों राज बावा को कैच आउट कराते हुए भारत को एक और झटका दिया। हालांकि, राज गेंदबाजी के बाद बल्ले से वह कमाल करने में कामयाब रहे, जिसकी भारत को जरूरत थी। निशांत ने अर्धशतक लगाया। इसके बाद 48वें ओवर की चौथी गेंद पर दिनेश ने छक्का लगाते हुए भारतीय टीम को जीत दिलायी।

इससे पहले राज ने 31 रन देकर पांच और रवि कुमार ने 34 रन देकर चार विकेटों लेकर इंग्लैंड को 44.5 ओवर में ही 189 रन पर ही समेट दिया था। इंग्लैंड की ओर से जेम्स रीयू ने 95 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से रीयू और जेम्स सेल्स ने 93 रन की सबसे बड़ी साझेदारी की जबकि कप्तान प्रेस्ट शून्य पर ही आउट हो गये। इस मैच में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाले राज को मैच ऑफ द मैच का इनाम मिला।

# ओलंपिक प्रतीक को लेकर सोशल मीडिया में छिड़ी बहस

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन में जारी शीतकालीन ओलंपिक खेलों की शुरुआत के बीच ही ओलंपिक प्रतीक को लेकर भी सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। ओलंपिक प्रतीक में पांच रिंग्स होते हैं और इनके अलग-अलग रंग होते हैं। ओलंपिक चार्टर के नियम आठ के अनुसार ओलंपिक प्रतीक ओलंपिक मूवमेंट को दिखाता है। यह सभी पांच रिंग्स एक आकार के होते हैं, इसमें ब्लू, येलो, ब्लैक, ग्रीन और रेड शामिल हैं। इसे 1913 में बनाया गया था और सबसे पहले पिअर डे कोबेर्टिन ने इसका डिजाइन किया था। उस समय झंडे के सफेद बैकग्राउंड के साथ इन 5 रंगों को मिलाकर सारे देशों के झंडे को एक कर दिया गया था। कई रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि इसे बनाने वाले ने उस समय हर झंडे के रंगों को इन पांच रंगों में बदल कर एकता के लिए इसे ऐसा आकार और रंग दिया था। 1914 में विश्व युद्ध के कारण ओलंपिक का आयोजन रद्द कर दिया गया था पर प्रतीक और झंडे को स्वीकार कर लिया गया था और इनका इस्तेमाल पहली बार 1920 में आयोजित बेल्जियम ओलंपिक के दौरान हुआ था।

कुछ साल बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी ने इन रिंगों की नई व्याख्या दी और इन रिंगों को 'महाद्वीपों के प्रतीक' के रूप में लिए जाने की बात कही। 1951 से पहले ओलंपिक की आधिकारिक बुकलेट में यह बताया गया था कि नीला यूरोप के, पीला रंग एशिया को, काला अफ्रीका को, हरा ऑस्ट्रेलिया-ओसियाना को और लाल रंग अमेरिका को दिखाता है।

## 100 से ज्यादा एकदिवसीय विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय लेग स्पिनर बने चहल

अहमदाबाद (एजेंसी)।

युजवेंद्र चहल ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में तीन विकेट लेने के साथ ही अपने 100 विकेट पूरे किये। इसी के साथ ही वह 100 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय लेग स्पिनर बन बये हैं। इससे पहले केवल अनिल कुंबले के नाम ही एकदिवसीय में 100 से ज्यादा विकेट हैं। चहल ने इस मैच में 3 विकेट लेकर वेस्टइंडीज को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। चहल ने अपने पहले ओवर की तीसरी गेंद पर निकोलस पूरन 18 को आउट किया। इसके साथ उनके 100 विकेट पूरे हुए। इसके बाद अगली ही गेंद पर उन्होंने कप्तान कायरन पोलार्ड को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। दूसरे ओवर की 5वीं गेंद पर चहल ने शेमराह ब्रुक्स 10 को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। इस मैच के साथ ही चहल ने एक बार फिर लय हासिल की है।

चहल 100 विकेट तक पहुंचने वाले भारत के नौवें स्पिनर हैं। कुंबले के नाम भारत की ओर से सबसे अधिक एकदिवसीय विकेट लेने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 269 एकदिवसीय मैच में 334 विकेट लिए हैं. हरभजन सिंह 265 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इन दोनो के अलावा अन्य कोई भारतीय स्पिनर 200 विकेट तक नहीं पहुंचा है। रवींद्र जडेजा के नाम 188, सचिन तेंदुलकर के नाम 154, आर अश्विन के नाम 151, रवि शास्त्री 129, युवराज सिंह 110 और कुलदीप यादव के नाम 107 विकेट हैं।

## 1000वां एकदिवसीय खेलने वाली दुनिया की पहली टीम बनी टीम इंडिया

**अहमदाबाद ।** भारतीय क्रिकेट टीम 1000वां एकदिवसीय मैच खेलने वाली विश्व की पहली टीम बनी है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने रविवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय के लिए यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में उतरते ही यह अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। भारत ने इस मैच से पहले तक 999 एकदिवसीय मैच खेले हैं और उसमें 518 में जीत दर्ज की हैं। उसे 431 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा जबकि 9 मैच टाई रहे जबकि 41 मैचों का कोई परिणाम नहीं निकला है।
भारत के 100वें एकदिवसीय में कपिल देव कप्तान थे जबकि 500वें एकदिवसीय के समय सौरव गांगुली ने कप्तानी की थी। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम सबसे अधिक मैच खेलने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। उसने 958 मैच खेले हैं जबकि तीसरे नंबर पर पाकिस्तान की टीम है। उसने 936 एकदिवसीय मैच खेले हैं।

# पहला वनडे: स्पिन के जाल में उलझा इंडीज, टीम इंडिया ने 176 रनों पर समेटा

अहमदाबाद (एजेंसी)।

युजवेन्द्र चहल और वाशिंगटन सुंदर की फिरकी गेंदबाजी के सामने वेस्टइंडीज की टीम भारत के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय में 43.5 ओवर में 176 रन पर आउट गयी।चहल ने 9.5 ओवर में 49 रन देकर चार विकेट लिये जबकि सुंदर ने नौ ओवर में 30 रन खर्च कर तीन विकेट चटकाये। प्रसिद्ध कृष्णा को दो तो वहीं मोहम्मद सिराज को एक सफलता मिली।

वेस्टइंडीज की टीम एक समय 23वें ओवर में 79 रन पर सात विकेट गंवाकर मुश्किल में थी लेकिन पूर्व कप्तान जेसन होल्डर और फैबियन ऐलन ने आठवें विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी कर टीम को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला। होल्डर ने 71 गेंद की पारी में चार छक्कों की मदद से 57 रन बनाये। इससे पहले भारतीय टीम ने अपने 1000वें एकदिवसीय मैच में नये कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज शाई होप (आठ रन) ने पारी के तीसरे ओवर में मोहम्मद सिराज के खिलाफ लगातार दो चौके लगाकर आक्रामक होने के संकेत दिये लेकिन अगली ही गेंद पर बोल्ड होकर पवेलियन लौट गये। पहली सफलता के बाद भारतीय गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी की जिससे वेस्टइंडीज की टीम शुरुआती पावरप्ले में एक विकेट पर 39 रन ही बना सकी। टीम में वापसी कर रहे वाशिंगटन सुंदर ने 12वें ओवर में वेस्टइंडीज को दोहरा झटका दिया। ओवर की दूसरी गेंद पर ब्रैंडन किंग (13 रन) को सूर्यकुमार यादव की हाथों कैच करने के बाद छठी गेंद पर डेरेन ब्रावो को पगबाधा किया। मैदान अंपायर ने भारतीय खिलाड़ियों की अपील खारिज कर दी थी लेकिन कप्तान रोहित ने डीआरएस का सहारा लिया। टेलीविजन रिप्ले में गेंद विकेट से टकराते दिखी और अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। ब्रावो ने 34 गेंद में 18 रन बनाये। निकोलस पूरन ने क्रीज पर उतरते ही शारदुल ठाकुर और फिर सुंदर के खिलाफ चौके जड़े लेकिन रोहित ने 20वें ओवर में गेंद युजवेन्द्र चहल को थमाई जिन्होंने अपने शुरुआती ओवर में ही लगातार दो गेंदों पर पूरन और कप्तान कीरोन पोलार्ड का चलता कर वेस्टइंडीज को बैकफुट पर धकेल दिया।

## हॉकी इंडिया ने जूनियर महिला टीम लिए 33 संभावित खिलाड़ियों के नाम घोषित किये

**नई दिल्ली ।** हॉकी इंडिया ने आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों को देखते हुए जूनियर महिला टीम के लिए 33 संभावित खिलाड़ियों के नाम घोषित किये हैं। हॉकी इंडिया के अनुसार इन खिलाड़ियों का चयन बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र पर तीन सप्ताह के अभ्यास शिविर के बाद किया गया। वहीं शुरूआत में 65 खिलाड़ियों का चयन सालाना घरेलू टूर्नामेंटों में प्रदर्शन के आधार पर किया गया था। भारतीय महिला टीम की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने कहा, ये काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं जिन्होंने पिछले कुछ सप्ताह में शानदार प्रदर्शन किया है।

**संभावित समूह इस प्रकार है**

गोलकीपर : खुशबू, माधुरी किंडो, कुरपापू रम्या

डिफेंडर : प्रीति, नीलम, ममिता ओराम, महिता टेटे, निशि यादव, संस्कृति सरवन, काजल बारा, मनिता, मंजू चौरसिया

मिडफील्डर : वैष्णवी फाल्के, ज्योति एडुला, ज्योति सिंह, रितिका सिंह, के सोनिया देवी, ज्योति छत्री, अश्विनी कोलेकर, प्रियंका यादव, निकिता टोप्पो, अनीशा साहू, हिना बानो।

फॉरवर्ड : अन्नु, ब्यूटी डुंगडुंग, तरणप्रीत कौर, रूतुजा पिसाल, एम भवानी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, चंदना जे, सदाशिव अटपडकर, आंचल साहू।

## बीसीसीआई की नीतियों के कारण मिल रही जीत : बीसीसीआई

नॉर्थ साउंड (एजेंसी)।

राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है कि अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट में जो जीत मिली है। वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की नीतियों का ही परिणाम है। इसके लिए बोर्ड की सराहना की जानी चाहिये। बोर्ड ने जिस प्रकार से युवा प्रतिभाओं को निभाने के लिए ढांचा तैयार किया और बड़ी संख्या में प्रतिस्पर्धी आयु वर्ग के टूर्नामेंट आयोजित किये उससे लाभ मिला है। भारतीय जूनियर टीम ने कोविड-19 संक्रमण के मामले आने के बाद भी जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट के सभी मैच जीते।

पूर्व स्टायलिश बल्लेबाज वीवी एस लक्ष्मण ने जीत के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि बीसीसीआई की सराहना की जानी चाहिए। प्रत्येक खिलाड़ी को आयु वर्ग स्तर पर काफी मुकाबले खेलने को मिल रहे हैं, फिर चाहे यह अंडर-16 हो, अंडर-19 या फिर अंडर-23 हालांकि कोविड-19 के कारण उन्हें कोई टूर्नामेंट खेलने को नहीं मिला और यही कारण है कि मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट में मिली जीत विशेष है।' लक्ष्मण टूर्नामेंट के लिए टीम के साथ वेस्टइंडीज गये थे। लक्ष्मण ने कहा, 'सबसे पहले चयन समिति को बहुत बहुत बधाई। यह नई चयन समिति है और इस समूह की पहचान करना उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण था। इसके बाद कोचिंग स्टाफ को बधाई, मुख्य कोच के रूप में ऋषिकेश कानिटकर, साई राज, मुनीष और सहयोगी स्टाफ को।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने जिस तरह इस टीम को एकजुट किया, उन्होंने कड़ी मेहनत की, एशिया कप जीता और विश्व कप के लिए तैयारियां शानदार रहीं।' उन्होंने कहा कि यह केवल शुरुआत है अभी और उपलब्धियां हासिल की जानी हैं।

## खेल जगत ने दी लता मंगेशकर को श्रद्धांजली

**मुंबई।** क्रिकेटरों की अगुआई में खेल जगत ने रविवार को महान गायिका लता मंगेशकर के निधन पर शोक जताया और उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगी।

देश के महान संगीत सितारों में शामिल लता (92) की बहन ऊषा मंगेशकर और उनका उपचार कर रहे डॉक्टरों के अनुसार रविवार को शहर के एक अस्पताल में कई अंगों के काम करना बंद कर देने के कारण उनका निधन हो गया।

दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने ट्वीट किया, ''लता जी के निधन की खबर सुनकर बेहद दुखी हूं। उनके मधुर गीतों ने दुनिया भर में करोड़ों लोगों के दिलों को छुआ है। आपके सभी गीतों और यादों के लिए आपको धन्यवाद। परिवार और प्रियजनों को मेरी ओर से संवेदनाएं।''

भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अपने ट्विटर पेज पर लिखा, ''आपके संगीत ने हमारी आत्मा को छुआ और हमें खुश किया। लता मंगेशकर जी भगवान आपकी आत्मा को शांति दे। आपकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।''

## फीडे ग्रां प्री शतरंज 2022 - शिरोव से हरिकृष्णा नें खेला ड्रॉ ,अरोनियन से हारे विदित

**बर्लिन,जर्मनी।** फीडे ग्रां प्री सीरीज के पहले दिन ही भारत के किसी खिलाड़ी के फीडे कैंडीडेट मे पहुँचने की उम्मीद का झटका लगा है , ग्रुप सी में भारत के नंबर 2 शतरंज खिलाड़ी विदित गुजराती को अपने शुरुआती मुक़ाबले मे विश्व के नंबर 6 खिलाड़ी यूएसए के लेवोन अरोनियन से हार का सामना करना पड़ा है । जबकि ग्रुप डी मे भारत के नंबर 3 खिलाड़ी और पूर्व विश्व जूनियर चैम्पियन पेंटाला हरिकृष्णा नें स्पेन के अलेक्सी शिरोव से ड्रॉ खेलते हुए अपने अभियान की शुरुआत की है । काले मोहरो से खेल रहे विदित नें निमजों इंडियन ओपनिंग मे अच्छी स्थिति हासिल कर ली थी पर वह सभी समय पर इसका फायदा नहीं उठा पाये और 64 चालों मे बेहतर एंडगेम खेलते हुए अरोनियन नें जीत हासिल कर ली । वहीं भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें काले मोहरो से कारो कान ओपनिंग मे पहले दिन कोई भी खतरा ना उठाते हुए 31 चालों मे आसान ड्रॉ खेला । पहले दिन ग्रुप ए में रूस के आन्द्रे एसेपिंकों नें हमवतन अलेक्जेंड्र ग्रीसचुक से ,फ्रांस के ऐटेने बकरोट नें यूएसए के हिकारु नाकामुरा से बाजी ड्रॉ खेली । ग्रुप बी मे रूस के ब्लादिमीर फेडोसीव नें हमवतन ओपरिन ग्रीग्रोय को तो पोलैंड के रडास्लाव वोइटसजेक नें हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट को मात दी , ग्रुप सी में जर्मनी के विन्सेंट केमर नें रूस के डेनियल डुबोव से तो यूएसए के वेसली सो नें हमवतन दोमिंगेज पेरेज से आधा अंक बांटा । प्रत्येक वर्ग के चार खिलाड़ियों में डबल राउंड रॉबिन के छह राउंड के बाद पहले नंबर पर रहने वाले खिलाड़ी को सीधे सेमी फाइनल में प्रवेश मिलेगा ।

## क्रिकेटर सुरेश रैना के पिता का निधन

**नई दिल्ली ।** पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना के पिता त्रिलोक चंद रैना का रविवार को निधन हो गया। वह वो लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। उन्होंने गाजियाबाद में अपने घर में अंतिम सांसें लीं। सुरेश रैना ने भारत के लिए 18 टेस्ट, 226 वनडे के अलावा कुल 78 टी-20 मैच खेले हैं। रैना का पैतृक गांव जम्मू और कश्मीर के रैनावारी में है हालांकि, 90 के दशक में उनके पिता त्रिलोकचंद परिवार सहित गाजियाबाद के मुरादनगर में बस गए थे। उनके पिता ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में काम करते थे। रैना ने जब क्रिकेट खेलना शुरू किया तो उनके पिता ने ट्रेनिंग पर होने वाले खर्चे को बड़ी मुश्किल से पूरा किया हालांकि पिता की यह परेशानी भी दूर हो गई, जब 1998 में रैना को लखनऊ के गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में प्रवेश मिल गया। रैना ने एक साक्षात्कार में अपने पिता के बारे में एक खास बात बताई थी। रैना ने कहा था कि उनके पिता उन सैनिकों के परिवारों की देखभाल करते थे, जिनका निधन हो गया था। वो इन परिवारों की आर्थिक रूप से मदद करते थे और इस बात का ध्यान रखते थे कि उन्हें परेशानी न आये।

# सचिन ने बताई वनडे करियर की पांच सबसे यादगार पारियां, शेयर किया दिलचस्प किस्सा

मुबई (एजेंसी)।

दुनिया के महानतम बल्लेबाजों में से एक सचिन तेंदुलकर ने क्रिकेट के मैदान पर कई यादगार पारियां खेली हैं। सचिन के फैंस के लिए उनकी हरेक पारी यादगार है, पर ये वे पारियां हैं, जिन्हें सचिन अपनी यादगार पारियां मानते हैं। सचिन ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने करियर की 5 सबसे यादगार वनडे पारियों का जिक्र किया। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। सचिन से जब उनकी पांच सर्वश्रेष्ठ वनडे पारियों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि पांच यादगार वनडे पारियां चुनना बहुत मुश्किल है। मैं विश्व कप फाइनल को इस सूची से बाहर रखूंगा क्योंकि यह अहसास शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। आप इसे अन्य मैचों के साथ शामिल नहीं कर सकते, क्योंकि यह मेरी जिंदगी का सर्वश्रेष्ठ दिन था।

शारजाह में आस्ट्रेलिया के मजबूत आक्रमण के खिलाफ दो शतक के अलावा ग्वालियर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 200 रन इसमें शामिल हैं। उन्होंने कहा यह यादगार पारी है क्योंकि वह भी दक्षिण अफ्रीका का अच्छा गेंदबाजी आक्रमण था और पहली बार था जब वनडे में किसी ने दोहरा शतक जमाया था। वहीं सेंचुरियन में 2003 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ शोएब अख्तर के खिलाफ छक्का और वे विस्फोटक 98 रन शीर्ष पांच में शामिल हैं। उन्होंने कहा वह बेहद दबाव वाला मैच था और मैं अपने तरीके से बल्लेबाजी कर सकता था। सेंचुरियन की पारी विश्व कप में मेरे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में से एक होगी। ब्रिस्टल में कीनिया के खिलाफ शतक भी यादगार है, जो उन्होंने अपने पिता प्रो रमेश तेंदुलकर के निधन के तुरंत बाद बनाया था। सचिन ने कहा मैं घर आया और अपनी मां को देखकर मैं बहुत भावुक हो गया। मेरे पिता के निधन के बाद वह टूट गई थीं। लेकिन उस दुख की घड़ी में भी वह मुझे घर पर रूकने नहीं देना चाहती थी। वह चाहती थीं कि मैं राष्ट्रीय टीम के लिए खेलूं। जब मैंने यह पारी खेली थी तो मैं बहुत ही भावुक अवस्था में था, इसलिए यह मेरी पांच वनडे पारियों में शामिल होगी।

### योगी के रास्ते पर चलेगा सपा-रालोद गठबंधन ?

# सरकार बनी तो बदलेंगे जेवर एयरपोर्ट का नाम : जयंत चौधरी

जेवर, 06 फरवरी (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में अगर समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल गठबंधन की सरकार बनती है तो वह भी योगी आदित्यनाथ सरकार के रास्ते पर चल सकती है। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने शनिवार को गौतमबुद्ध नगर की जेवर विधानसभा सीट के चौरोली गांव में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने गुर्जर सम्राट मिहिर भोज को याद करते हुए कहा कि जेवर एयरपोर्ट का नाम बदलकर उनके नाम पर रखा जाएगा। इसके साथ ही उनकी एक विशाल प्रतिमा बनाई जाएगी।

जयंत चौधरी ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की नीतियों ने किसानों, गरीबों और मजदूरों को बर्बाद कर दिया। प्रदेश में चारों ओर भ्रष्टाचार है।

उन्होंने यूपी में सपा-रालोद गठबंधन की सरकार बनने पर सभी युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने का वादा किया। जयंत ने कोरोना काल का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार की नाकामी के वजह से लोगों की जान गई। कोरोना के समय में व्यवस्था पूरी तरह फेल साबित हुई। लोगों को अस्पताल में भर्ती होने के लिए अधिकारियों से अनुमति लेनी पड़ी। इससे काफी परेशानी हुई।

रालोद अध्यक्ष ने चौरोली में किसानों का अभिवादन किया और गठबंधन प्रत्याशी अवतार सिंह भड़ाना के समर्थन में वोट मांगे। चौरोली पहुंचने पर रालोद समर्थकों और किसानों ने रालोद प्रमुख जयंत चौधरी का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने जयंत चौधरी को माला और पगड़ी पहनाई।

जयंत चौधरी ने इससे पहले मथुरा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 11 मार्च के बाद गर्मी निकाल देने वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि हमारा खून गरम है, गरम ही रहेगा। दो लड़कों की गर्मी देख सर्दी में बाबा का पसीना छूट रहा है। रालोद नेता ने कहा कि हम किसानों और युवा समाज के हर वर्ग की लड़ाई लड़ने

का काम कर रहे हैं। जयंत शनिवार को मथुरा के गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र में रालोद प्रत्याशी चौधरी प्रीतम सिंह के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों के आंदोलन के आगे विवश होकर झुकने के साथ तीनों कृषि कानूनों को वापस ले लिया, लेकिन किसानों की सभी बातें नहीं मानी गईं। सरकार द्वारा किया गया, कोई भी वादा अब तक पूरा नहीं हो सका है। जयंत ने कहा कि गन्ना किसानों को अपनी फसलों का भाव नहीं मिल रहा है। सरसों, आलू के किसानों को भी अपनी फसलों के भाव नहीं मिल रहे हैं। सरकार किसानों की सरसों की फसल पर ध्यान न देकर पॉमऑयल पर ध्यान दे रही है।

उन्होंने कहा कि मैं बाबा (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) को गुण्डा दिखता हूं। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि सन 1970 में मेरे स्वर्गीय दादा चौधरी चरण सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में उत्तर प्रदेश में गुण्डा एक्ट बनाया गया था।

जयंत ने पूछा कि बाबाजी, आपने आज तक कोई कानून बनाया है, तो बताओ। उन्होंने सभा में उपस्थित जनता से आह्वान किया कि दस फरवरी को हैण्डपंप पर इतने बटन दबाओ कि प्रीतम सिंह जीतकर लखनऊ पहुंचे और बाबा को गरमी का एहसास हो जाए।

# समाजवादी पार्टी है नकली समाजवादी : पीएम मोदी

लखनऊ, 06 फरवरी (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाजवादी पार्टी (सपा) को नकली समाजवादी करार देते हुए रविवार को कहा कि जनता की आस्था से कोई सरोकार नहीं रखने वाले इन लोगों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपार समर्थन मिलता देखकर अब सपने में भगवान कृष्ण की याद आने लगी है।

मोदी ने मथुरा, बुलंदशहर और आगरा के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जन चौपाल को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सम्बोधित करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी पार्टी पर तीखे प्रहार किए और कहा कि चुनाव देखकर कृष्ण भक्ति का चोला ओढ़ने वाले लोग जब सरकार में थे तो वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन और नंदगांव को वे भूल ही गए थे। आज भाजपा को अपार समर्थन देख इन लोगों को अब सपने में भगवान कृष्ण की याद आने लगी है। गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने हाल में कहा था कि भगवान कृष्ण रोजाना उनके सपने में आकर कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनने जा रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जो पहले सरकार में थे, उन्हें ना तो आप लोगों की आस्था से मतलब था और ना ही आपकी जरूरतों से। उनका सिर्फ एक ही एजेंडा रहा है, उत्तर प्रदेश को लूटो। उन्हें बस सरकार बनाने से मतलब रहा है इसीलिए आज वह मुख्यमंत्री योगी (आदित्यनाथ) जी और भाजपा सरकार को पानी पी पी कर कोस रहे हैं। उत्तर प्रदेश का इन लोगों ने जो हाल बना दिया था, वह इन नकली समाजवादियों के कर्मों का कच्चा चिट्ठा है।

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों के शासनकाल में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद थे कि वे राजमार्गों पर गाड़ी रोक कर लूटपाट करते थे और राजमार्गों पर ही महिलाओं और बेटियों के साथ क्या होता था, यह बुलंदशहर के लोग अच्छी तरह से जानते हैं। तब उत्तर प्रदेश में घरों एवं दुकानों पर अवैध कब्जे होना आम बात थी। लोग अपना घर छोड़कर पलायन को मजबूर होते थे। आगरा के दंगों में आरोपियों के सिर पर किसका हाथ था, यह आप भली-भांति जानते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि पहले की सरकारें भय फैलाने में जुटी थी जबकि भाजपा भविष्य का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार और पिछली सरकारों में यही फर्क है, इसलिए आज उत्तर प्रदेश में बहन बेटियां खुले दिल से कह रही हैं कि पहले

हमें घर से निकलने में लगता था डर, अब भाजपा राज में अपराधी कांपे थर-थर। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोगों ने दो टूक कह दिया है कि धन, दौलत, बाहुबल, जातिवाद, परिवारवाद और संप्रदायवाद के दम पर भले ही कुछ लोग कितनी ही राजनीति कर लें, लेकिन वह जनता का ख़यार नहीं पा सकते। जनता का आशीर्वाद तो उसे ही मिलेगा, जो सच्चे अर्थ में प्रदेश के लोगों की सेवा करेगा, इसलिए जनता ने तय कर लिया है कि इस बार भी चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा विकास का ही है। मोदी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने दिखा दिया है कि अगर राज्य का विकास कोई कर सकता है तो वह सिर्फ भाजपा है, इसलिए पिछले कई महीनों से उत्तर प्रदेश के लोग यह ठान कर बैठे हैं कि कमल का बटन फिर दबाना है और भाजपा को ही जिताना है।

# चुनाव आयोग ने जनसभाओं के लिए और ढील दी

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेन्सी)। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने रविवार को मौजूदा कोविड की स्थिति में सुधार और चुनाव प्रचार के लिए कम समय को ध्यान में रखते हुए संशोधित दिशानिर्देश जारी किए।

संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार रोड शो, पदयात्रा, साइकिल, बाइक, वाहन रैलियां या जुलूस पर प्रतिबंध जारी रहेगा जबकि घर-घर जाकर प्रचार करने के लिए अधिकतम 20 व्यक्तियों की अनुमति भी पूर्व की तरह रहेगी।

रात 8 बजे से सुबह 8 बजे के लिए पहले की तरह प्रतिबंध जारी रहेगा। आउटडोर मीटिंग, इनडोर मीटिंग, रैलियों के संबंध में प्रतिबंधों में और ढील दी जाएगी, बशर्ते कि इनडोर या आउटडोर मीटिंग या रैलियों में भाग लेने वाले व्यक्तियों की संख्या अधिकतम 50 प्रतिशत तक सीमित होगी।

दिशानिर्देश के अनुसार, 'ओपन ग्राउंड रैलियां केवल जिला अधिकारियों द्वारा विशेष रूप से नामित मैदानों में आयोजित की जा सकती हैं और एसडीएमए की सभी शर्तों के अनुपालन के अधीन हैं, जबकि इन मैदानों का आवंटन जिला प्रशासन द्वारा ई-सुविधा पोर्टल के माध्यम से पहले आओ पहले पाओ पर समान रूप से दिया जाएगा।'

संशोधित मानदंडों में यह भी निर्देश दिया गया है कि कई प्रवेश और निकास बिंदु होने चाहिए ताकि भीड़ न हो।

सभी प्रवेश द्वारों में पर्याप्त हाथ स्वच्छता और थर्मल स्क्रीनिंग प्रावधान होना चाहिए। प्रवेश द्वार के साथ-साथ रैली क्षेत्र के भीतर पर्याप्त संख्या में हैंड सैनिटाइजर रखा जाना चाहिए, जबकि बैठने की व्यवस्था में पर्याप्त शारीरिक दूरी सुनिश्चित होनी चाहिए और हर समय मास्क का उपयोग अनिवार्य है।'

चुनाव आयोग ने पांच मतदान वाले राज्यों में संबंधित राज्य के अधिकारियों को हर समय शारीरिक दूरी के मानदंडों, मास्क पहनने और अन्य निवारक उपायों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आयोजकों द्वारा व्यवस्था की गई पर्याप्त जनशक्ति की व्यवस्था के लिए निर्देश दिया।

आयोग समय-समय पर स्थिति की समीक्षा करेगा और जमीनी स्तर की स्थिति के आधार पर अपने दिशानिर्देश, यदि कोई हो, में संशोधन के लिए आवश्यक निर्णय लेगा। आयोग ने यह भी कहा कि इन पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, उत्तराखंड और मणिपुर के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की अधिक भागीदारी की आवश्यकता को देखते हुए ये छूट दी गई है।

# लता मंगेशकर के निधन पर राष्ट्रपति, पीएम ने जताया शोक

### 2 दिन का राष्ट्रीय शोक, राजकीय सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

मुंबई, 06 फरवरी (एजेन्सी)। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित लता मंगेशकर के निधन पर भारत सरकार ने देश में 2 दिनों का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है।

शोक के दौरान 2 दिनों तक देश का राष्ट्रीय ध्वज उनके सम्मान में आधा झुका रहेगा । राष्ट्रीय शोक के दौरान किसी सरकारी या औपचारिक कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाता है। लता मंगेशकर का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। इस दौरान उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे से लिपटाया जाएगा और सशस्त्र सेना के जवान अंतिम संस्कार में उन्हें सलामी देंगे।

लता मंगेशकर का अंतिम संस्कार आज शाम पूरे राजकीय सम्मान के साथ मुंबई के शिवाजी पार्क में होगा।

रविवार सुबह स्वर कोकिला लता मंगेशकर का निधन मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में हो गया। वे पिछले एक महीने से इस अस्पताल में भर्ती थी।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, अमित शाह, नितिन गडकरी, राजनाथ सिंह , जेपी नड्डा समेत केंद्र सरकार के मंत्रियों, भाजपा के दिग्गज नेताओं और राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त किया।

ट्वीट में प्रधानमंत्री ने कहा, 'मेरे लिए ये सम्मान की बात है कि मुझे हमेशा लता दीदी से अपार स्नेह मिला। उनके साथ हुई बातें मेरे लिए यादगार रहेंगी। मैं लता दीदी के जाने पर भारतीयों के दुख में शामिल हूं। मैंने उनके परिवार वालों से बात की और संवेदना व्यक्त की। ओम शांति।'

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी अस्पताल में सबसे पहले उनके परिवार से मिलें। उन्होंने कहा, ' उनका निधन राष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है। लेकिन अच्छे संगीत के सभी प्रेमियों के लिए वह हमेशा प्रेरणा स्रोत बनी रहेंगी। गडकरी ने दिवंगत गायक को 'देश का गौरव' बताया।'

गृह मंत्री अमित शाह ने उनके निधन को अपनी व्यक्तिगत क्षति बताते हुए ट्वीट कर कहा, ' सुर व संगीत की पूरक लता दीदी ने अपनी सुर साधना व मंत्रमुग्ध कर देने वाली वाणी से न सिर्फ भारत बल्कि पूरे विश्व में हर पीढ़ी के जीवन को भारतीय संगीत की मिठास से सराबोर किया। संगीत जगत में उनके योगदान को शब्दों में पिरोना संभव नहीं है। उनका निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है।'

अमित शाह ने उनके निधन पर गहरा दुख और संवेदनाएं जाहिर करते हुए कहा, ' मैं खुद को सौभाग्यशाली समझता हूं कि समय-समय पर मुझे लता दीदी का स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त होता रहा। अपने अतुलनीय देशप्रेम, मधुर वाणी और सौम्यता से वो सदैव हमारे बीच रहेंगी। उनके परिजनों व असंख्य प्रशंसकों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। शांति शांति।'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लता मंगेशकर के निधन को कला और संस्कृति जगत की बहुत बड़ी क्षति बताते हुए ट्वीट कर कहा, ''स्वर कोकिला' लता मंगेशकर जी के निधन से भारत की आवाज खो गई है। लताजी ने आजीवन स्वर और सुर की साधना की। उनके गाये हुए गीतों को भारत की कई पीढ़ियों को सुना और गुनगुनाया है। उनका निधन देश की कला और संस्कृति जगत की बहुत बड़ी क्षति है।उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं।'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनके निधन पर गहरा शोक जाहिर करते हुए ट्वीट कर कहा, 'हर संगीत प्रेमी के हृदय में निवास करने वाली स्वरकोकिला, भारत रत्न लता मंगेशकर जी का निधन हृदय विदारक है।यह संपूर्ण कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने चरणों मे स्थान दें। लता दीदी के परिजनों और विश्वभर में फैले करोड़ों प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं।'

स्वर कोकिला लता मंगेशकर का रविवार को निधन हो गया। लता मंगेशकर ने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में आखिरी सांस ली। 92 वर्षीय लता मंगेशकर पिछले दिनों कोरोना संक्रमित हो गई थी, जिसके बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

# चुनाव तय करेगा कि यूपी में माफियाओं का राज चलेगा या कानून का : शाह

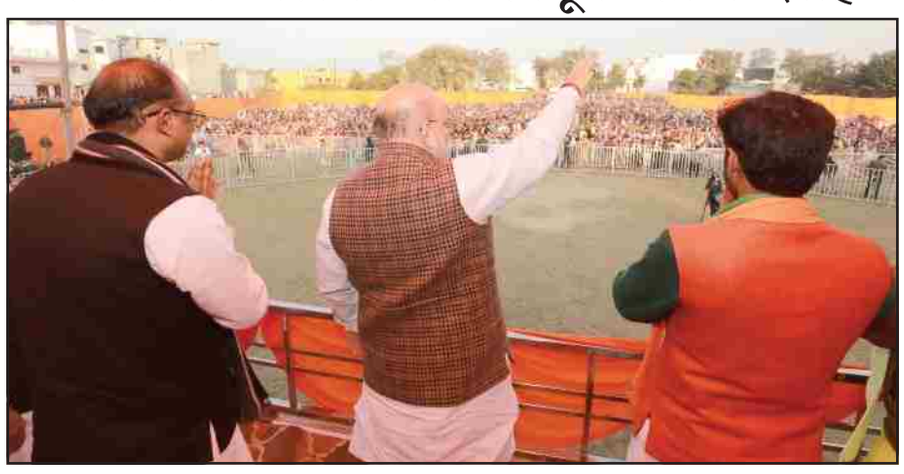

बागपत, 06 फरवरी (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज उत्तर प्रदेश के बागपत में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ये चुनाव उत्तर प्रदेश को भविष्य बनाने का चुनाव है। यह चुनाव तय करेगा कि माफियाओं का राज चलेगा या कानून का राज चलेगा। उत्तर फिर से एक बार दंगों की आग में झुलसेगा या यहां विकास का रास्ता प्रशस्त होगा।

अमित शाह बागपत के सम्राट पृथवीराज चौहान डिग्री कॉलेज में सार्वजनिक सभा को संबोधित कर रहे थे। अपने भाषण से पूर्व उन्होंने बागपत की ऐतिहासिक भूमि पर परशुराम, चौधरी चरण सिंह, मिहिर भोज, को प्रणाम किया और लता मंगेश्कर को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि वे धर्म व जाति को बात करने वाले लोग गुमराह करना चाहते हैं।

साढ़े सात साल में उत्तर प्रदेश का विकास हुआ है। दिल्ली हाईवे से बागपत और हरियाणा को जोड़ने का काम किया है।

गृहमंत्री ने कहा कि अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि घरों में मोदी ने बिजली, शौचालय पहुंचाने का काम किया है। बुआ-भतीजे की सरकार 15 साल चली लेकिन कोई काम नहीं हुआ मोदी और योगी ने देश को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि पहले यूपी देश की सातवें नंबर की अर्थव्यवस्था था और आज यूपी दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था पर है। एक मौका भाजपा को दे दीजिए, अगले पांच साल में यूपी की अर्थव्यवस्था पहले स्थान पर होगी।

अमित शाह ने आगे कहा कि कश्मीर से 370 हटनी चाइये थी या नहीं, उसे हटाया गया।

अखिलेश कहते थे कि खून की नदिया बहेंगी, लेकिन एक कंकर तक नही दिखी। वह माफिया को संगरक्षण देने के लिए चुनाव लड़ रहे है और हम गरीबों, जनता के लिए लड़ रहे है। 300 पर का संकल्प लें।

# बिहार की बदहाली के लिए जेडीयू व आरजेडी जिम्मेदार : पप्पू यादव

पटना, 06 फरवरी (क.सं.)। जन अधिकार पार्टी (जाप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पप्पू यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि विशेष राज्य के मसले पर बीजेपी बिहारवासियों को धोखा दे रही है। विकास के सभी आकंड़े बता रहे हैं कि बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की जरूरत हैं। आज बिहार विकास के सभी पैमानों पर सबसे नीचे हैं। बिहार के पिछड़ेपन में जेडीयू और आरजेडी दोनों जिम्मेदार हैं। लालू-राबड़ी शासनकाल में बिहार का बंटवारा हो गया, जिसमें तमाम खनिज सम्पदा झारखण्ड में चली गई। केंद्र में लालू जी लगातार मंत्री बने, लेकिन बिहार के लिए कुछ भी नहीं किया।

पप्पू यादव ने बिहार की बदहाली के लिए राजद और जदयू को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि आज नीतीश कुमार 16 सालों से बीजेपी के साथ सरकार चला रहे हैं, लेकिन आजतक बिहार के लिए कोई विशेष पैकेज केंद्र से नहीं ले पाए हैं। दोनों भाई (लालू और नीतीश) ने इसे राजनीतिक एजेंडा बना कर रखा है। ये सभी लोग बिहार की जनता के आंख में धूल झोंक रहे हैं।

पप्पू यादव ने कहा कि बिहार के विशेष दर्जे की लड़ाई मैंने सदन से लेकर सड़कों पर लड़ी हैं। पर्यटन के क्षेत्र में अपार सम्भावना हैं। सीता की नगरी की सरकार के द्वारा अपेक्षा की जा रही हैं। गौतम बुद्ध, महावीर, आर्यभट्ट और सम्राट अशोक की इस धरती पर पर्यटन की अपार सम्भावना है। फ़ूड प्रोसेसिंग और पर्यटन का विकास करके रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं।

# राहुल ने पीएम मोदी पर साधा निशाना, कहा- नरेंद्र मोदी पीएम नहीं राजा हैं

देहरादून, 06 फरवरी (एजेन्सी)। कांग्रेस के नेता और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज उधम सिंह नगर के किच्छा से उत्तराखंड की जनता को संबोधित किया।

राहुल गांधी ने कहा कि आज नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं हैं। वह राजा हैं। राजा किसी की बात नहीं सुनता। प्रधानमंत्री ही लोगों की बात सुनता है।

राहुल गांधी आज यानी पांच फरवरी को उत्तराखंड के किच्छा में किसान सम्मान वर्चुअल रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने किसान आंदोलन के बहाने पीएम नरेंद्र मोदी पर जोरदार हमला किया। साथ ही उन्होंने किसानों और मजदूरों को साधते हुए ये बताने का प्रयास किया कि कांग्रेस की सरकार ही विकास को गति दे सकती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सबसे पहले किसानों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बधाई इस बात की है कि आप इन तीन कानूनों के खिलाफ पहाड़ जैसे खड़े हो गए और कोई समझौता नहीं किया। एक कदम पीछे नहीं हटे और हिंदुस्तान की सरकार को सच्चाई दिखाई। ये आपका इतिहास है। आप सिर्फ देश को भोजन नहीं देते हैं, आप देश को रास्ता भी दिखाते हैं।

उन्होंने कहा कि आपने देश की सरकार को बताया कि सच्चाई से हम नहीं हटने वाले हैं। आप हमें न खरीद सकते हैं, ना डरा सकते हैं। इस सरकार को ये समझाना बहुत जरूरी था।

उन्होंने कहा कि, आप देश की नींव हो। यदि देश की नींव कमजोर होगी तो देश नहीं बचेगा। हम गारंटी देते हैं। हम ऐसी सरकार चाहते हैं, जिसमें किसान, मजदूरों और गरीबों को लगे ये हमारी सरकार है। जो भी हम कहना चाहते हैं, हम दिल खोलकर सरकार में मुख्यमंत्री को कह सकते हैं। ऐसी सरकार हम चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि कल गोवा में हमने न्याय योजना लॉन्च की। निर्णय लिया कि सबसे गरीब लोगों को कांग्रेस पार्टी की सरकार सीधे खाते में पैसा हर माह देगी। ये ही उत्तराखंड में भी किया जाएगा। उन्हें लगे कि सरकार उनके साथ खड़ी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com